PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 232 ● भिलाई, मंगलवार 24 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

युद्ध के बीच लोकसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कोरोना के समय की तरह ही हमें तैयार रहने की जरूरत

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि कोरोना के समय हम एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। हमें फिर से उसी तरह से तैयार रहने की आवश्यकता है। धीरज के साथ, संयम के साथ, शांत मन से हमें हर चुनौती का मुकाबला करना है। यही हमारी पहचान है, यही हमारी ताकत है। हमें बहुत सावधान और सतर्क भी रहना है। पीएम मोदी ने कहा कि हालात का फायदा उठाने वाले झूठ फैलाने का प्रयास करेंगे। ऐसे लोगों की कोशिशों को सफल नहीं होने देना है। उन्होंने आगे कहा कि मैं देश की सभी राज्य सरकारों से भी इस सदन के माध्यम से आग्रह करूंगा कि ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले जमाखोरी करने वाले सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए कड़ी निगरानी की जरूरत है। जहां से भी ऐसी शिकायत आती है, वहां त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि संकट की स्थिति में भारतीयों की सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता रही है। पश्चिम एशिया युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.72 लाख से अधिक भारतीय सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। इनमें 700 से अधिक मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं। खाड़ी के देशों में हजारों भारतीय विद्यार्थी पढ़ते हैं। सीबीएसई ने ऐसे सभी भारतीय स्कूलों में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं

को रद्द कर दिया है। छात्रों की पढ़ाई लगातार चलती रहे इसके लिए सीबीएसई उचित कदम उठा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि प्रभावित देशों में हमारे जितने भी मिशन हैं, वह लगातार भारतीयों की मदद में जुटे हैं। वहां काम करने वाले भारतीय हों या टूरिस्ट हों, सभी को हरसंभव मदद दी जा रही है। हमारे मिशन नियमित रूप से एडवाइजरी जारी कर रहे हैं। यहां भारत और अन्य प्रभावित देशों में 24 घंटे कंट्रोल रूम और आपातकालीन हेल्पलाइन जारी की गई हैं। सभी भारतीयों को त्वरित जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की हर सरकार और देश का हर नागरिक जब मिलकर चलेंगे तो हम हर चुनौती को चुनौती दे सकते हैं। इसी आग्रह के साथ मैं अपना वक्तव्य समाप्त करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाया जा चुका है। इनमें से करीब 1,000 भारतीयों को ईरान से निकाला गया जिनमें 700 से ज्यादा मेडिकल छात्र शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरान कुछ भारतीयों की मौत और कई के घायल होने की दुखद खबरें भी सामने आई हैं। पीएम मोदी ने बताया कि पिछले कुछ सालों में इथेनॉल उत्पादन बढ़ने से भी मदद मिली है और अब पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है।

ईंधन को लेकर सरकार का प्लान

पीएम मोदी ने कहा कि भारत में कच्चा तेल, गैस और फर्टिलाइजर का बड़ा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते आता है, जो इस समय संकट में है। ऐसे में सरकार ने पेट्रोल, डीजल और गैस की सप्लाई को सुचारू बनाए रखने के लिए खास रणनीति तैयार की है। उन्होंने बताया कि देश अपनी जरूरत का लगभग 60% एलपीजी आयात करता है, इसलिए घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है और उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब पहले से ज्यादा देशों से ऊर्जा आयात कर रहा है। पहले जहां 27 देशों से आयात होता था, अब यह बढ़कर 41 देशों तक पहुंच गया है। साथ ही देश के पास 53 लाख मैट्रिक टन से ज्यादा तेल का भंडार मौजूद है।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज संकट के बीच भारत ने अमेरिका से एलपीजी मंगाकर सप्लाई सुरक्षित की

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और ईरान, इजरायल तथा अमेरिका के बीच जारी संघर्ष का असर अब वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति पर साफ दिखने लगा है। खास तौर पर होर्मुज की खाड़ी, जो दुनिया के करीब 20% तेल और गैस परिवहन का मुख्य मार्ग है, इस समय संकट के केंद्र में है। ईरान की धमकी के बाद कई जहाज इस रास्ते पर रुक गए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हुआ है। इस स्थिति का असर भारत पर भी पड़ सकता था, क्योंकि देश की बड़ी मात्रा में गैस आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। हालांकि, भारत ने समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था कर ली। भारत ने अमेरिका से एलपीजी आयात बढ़ाने का फैसला लिया, जिसके तहत टेक्सास से रवाना हुआ जहाज रविवार को मंगलुरु बंदरगाह पहुंच गया। इसके अलावा 25 मार्च को करीब 26,687 टन गैस लेकर पहुंचेगा, जो इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम के लिए होगी। वहीं 29 मार्च को एक और जहाज लगभग 30,000 टन गैस लेकर आएगा, जो एचपीसीएल के लिए निर्धारित है।

ईरान से पाबंदी हटने पर भारत का कम हो सकता है तेल संकट

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा ईरान के तेल निर्यात पर पाबंदी हटाने के ऐलान से वैश्विक तेल संकट कम करने में मदद मिल सकती है। भले ही यह सीमित वक्त के लिए हो, लेकिन मुश्किल हालात में इससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल के दामों को कम करने में मदद मिलेगी। भारत को भी अपने ऊर्जा संकट से निपटने में इस फैसले कुछ राहत मिल सकती है। इसकी एक वजह यह भी है कि भारत की तेल रिफाइनरियों के पास कच्चे तेल को प्रोसेस करने की उन्नत तकनीक व लॉजिस्टिक क्षमता है और वे काफी समय से रूसी तेल को प्रोसेस करने में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। भारत अभी ऊर्जा का 85 प्रतिशत विभिन्न देशों से आयात करता है। वर्ष 2018-19 में भारत के कुल क्रूड ऑयल आयात में ईरान की हिस्सेदारी 10.6 प्रतिशत होती थी। जब 2019 में अमेरिका ने ईरान पर व्यापारिक प्रतिबंध लगाए तो उसके बाद से भारत का आयात कम होता चला गया और अब मामूली व्यापार रह गया है।

उज्जैन के वेद विद्या संस्थान में वार्डन की बर्बरता, नाबालिग छात्र की पिटाई का वीडियो वायरल

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। यहां कैंपस के भीतर एक वार्डन द्वारा नाबालिग छात्र की बेरहमी से पिटाई किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना चिंतामन गणेश मंदिर रोड स्थित संस्थान परिसर की है। वायरल वीडियो में वार्डन, जिसकी पहचान दत्ता दास शेवड़े के रूप में हुई है, छात्र को लाठी से लगातार मारते हुए नजर आ रहा है। इस दौरान छात्र दर्द से चीखता और कराहता दिखाई दे रहा है। जानकारी के मुताबिक, वार्डन छात्र से अनुशासन से जुड़े एक मामले में पूछताछ कर रहा था।

दिल्ली वालों को लगेगा बड़ा झटका!

अप्रैल माह से बढ़ सकते हैं बिजली के दाम-सीएम रेखा

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली उपभोक्ताओं के लिए अप्रैल महंगाई का संकेत दे सकता है। अगले महीने से बिजली दरों में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। इसकी मुख्य वजह राज्य सरकार द्वारा बिजली वितरण कंपनियों का लंबित बकाया चुकाने की तैयारी बताई जा रही है, जिसकी प्रक्रिया काफी हद तक आगे बढ़ चुकी है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली सरकार तीन डिस्कॉम बीआरपीएल बीवायपीएल और टीपीडीडीएल का करीब 38,000 करोड़ रुपये से अधिक बकाया चुकाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, उपभोक्ताओं पर असर कम करने के लिए सरकार बिजली

दरों में संभावित बढ़ोतरी पर सब्सिडी देने की योजना भी बना रही है। पिछले साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि इन कंपनियों को सात साल के भीतर 27,200 करोड़ रुपये (वहन लागत सहित) की नियामक परिसंपत्तियों का भुगतान किया जाए।

अब किसके भरोसे झामुमो की नई रणनीति

असम में झामुमो ने छोड़ा 'हाथ' का साथ, क्या हेमंत सोरेन का 'एकला चलो' वाला दांव बिगाड़ेगा कांग्रेस का खेल ?

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के राज्य असम में चुनावी पारा चढ़ते ही एक बड़ी सियासी हलचल देखने को मिली है। झारखंड में साथ मिलकर सरकार चलाने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के रास्ते असम की धरती पर अलग हो गए हैं। सीट बंटवारे को लेकर मची खींचतान के बाद अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी ने अकेले ही चुनावी समर में उतरने का बड़ा फैसला लिया है। यह न केवल असम के समीकरणों को बदल सकती है, बल्कि इसका सीधा असर आने वाले समय में झारखंड की अंदरूनी राजनीति पर भी पड़ना तय माना जा रहा है।काफी समय से कयास लगाए जा रहे थे कि विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन के साथ बीजेपी के सामने खड़े होंगे। इसी सिलसिले में रांची से लेकर दिल्ली तक बैठकों का कई दौर चला। खुद असम कांग्रेस के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और गौरव गोगोई ने हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। बात यहीं नहीं रुकी, सोरेन खुद दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान से भी मिले, लेकिन हफ्तों की माथापच्ची के बाद भी सीटों के गणित पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। अंततः, झामुमो ने हार मानकर अपने 19 उम्मीदवारों की सूची फाइनल कर दी है और उन्हें पार्टी का पारंपरिक चुनाव चिन्ह 'तीर-कमान' भी सौंप दिया गया है। झामुमो की इस अकेले चलने की जिद के पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति छिपी है। पार्टी का मुख्य ध्यान असम के उन इलाकों पर है जहां चाय बागानों में काम करने वाले लोग और आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं।

इन समुदायों के साथ पार्टी का पुराना जुड़ाव रहा है और उसे उम्मीद है कि यह वोट बैंक उसे जीत दिलाने में मदद करेगा। माजबत विधानसभा सीट से प्रीति रेखा बरला और सोनारी से बलदेव तेली जैसे चेहरों को उतारकर झामुमो ने यह साफकर दिया है कि वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। हालांकि, उसने विपक्षी एकजुटता का एक छोटा संदेश देते हुए बिहाली की सीट वामदलों के लिए छोड़ दी है। असम की इस टूट का असर केवल वहीं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी तपिश झारखंड की राजनीति में भी महसूस की जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस घटनाक्रम से दोनों दलों के बीच तल्खी बढ़ सकती है, जिसका असर आगामी राज्यसभा चुनावों पर पड़ेगा। झारखंड में जल्द ही राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव होने हैं। अभी तक माना जा रहा था कि एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है, लेकिन अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि झामुमो दोनों ही सीटों पर अपना दावा ठोक सकती है।

नियमों को लेकर यूजीसी और केंद्र को नोटिस

यूजीसी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ दायर की गई याचिका पर केंद्र सरकार, यूजीसी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने मूल याचिका के साथ टैग कर दिया है। याचिका भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने यूजीसी पर आरोप लगाया है कि इसके माध्यम से समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है। याचिका में यह भी कहा गया है कि जातिगत भेदभाव

केवल आरक्षित वर्ग तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह किसी भी वर्ग के साथ हो सकता है, और इसलिए इसे कुछ समुदायों तक ही सीमित नहीं किया जाना चाहिए। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने 29 जनवरी को यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियमों पर रोक लगाई थी, जिन्हें 13 जनवरी को अधिसूचित किया गया था। अदालत ने इसे प्रारंभिक रूप से अस्पष्ट बताते हुए कहा था कि इसके बहुत व्यापक परिणाम हो सकते हैं और यह समाज को बांटने का कारण बन सकता है। इस फैसले के बाद, इन नियमों के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। हाल ही में, जयपुर में राजपूत करणी सेना ने यूजीसी के इन नए विनियमों के खिलाफ प्रदर्शन किया था ।और इन नियमों को वापस लेने की मांग की थी।

युवक पर टूट पड़ा मधुमक्खियों का झुंड, जान बचाने के लिए बीच बाजार करना पड़ गया ये काम

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले से एक बेहद खौफनाक और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां के खेड़ी सांवलीगढ़ स्थित खेड़ी बस स्टैंड पर अचानक मधुमक्खियों के एक विशाल झुंड ने हमला कर दिया, जिससे पूरे इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई। बीच बाजार में मधुमक्खियों ने एक युवक को अपना निशाना बनाया और उस पर इस कदर टूट पड़ीं कि उसे अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा। जब बचने का कोई और रास्ता नहीं दिखा, तो युवक को मजबूरन पानी की टंकी में छलांग लगानी पड़ गई। इस घटना के बाद से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों ने इस खौफनाक मंजर की।

क्या बिगड़ जाएगा दीदी का 'गेम'?

कबीर और असदुद्दीन ओवैसी साथ लड़ेंगे पश्चिम बंगाल विसा चुनाव...

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2026 के लिए एक नया और महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी हुमायूं कबीर की नवगठित 'आम जनता उन्नयन पार्टी' के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेगी। रविवार को हैदराबाद में हुई इस घोषणा के बाद अब 25 मार्च को कोलकाता में एक कंबाइंड प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी, जिसमें इस चुनावी समझौते की रूपरेखा पेश की

जाएगी। यह गठबंधन राज्य की राजनीति में तीसरे एंगल के रूप में उभरने की कोशिश कर रहा है, जो मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच चल रहे मुकाबले को त्रिकोणीय बना सकता है। हुमायूं कबीर की पार्टी ने राज्य की कुल 294 सीटों में से 182 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का लक्ष्य रखा है,। इस गठबंधन के तहत एआईएमआईएम के लगभग 8 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। कबीर ने अब तक 18 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें मुर्शिदाबाद और मालदा जैसे महत्वपूर्ण जिलों की सीटें शामिल हैं। खुद हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद जिले की तीन सीटों- भगवानगोला, नौदा और राजीनगर- से चुनावी मैदान में उतरेंगे। कबीर का दावा है कि त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में उनका दल निर्णायक भूमिका निभाएगा।

प्रयागराज में बड़ा हादसा

अमोनिया टैंक फटने से कोल्ड स्टोरेज धराशायी, चार की मौत

प्रयागराज/ एजेंसी

फाफामऊ क्षेत्र के चंदापुर में प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का कोल्ड स्टोरेज तेज धमाके के साथ धराशायी हो गया। अमोनिया गैस टैंक फटने के चलते यह हादसा हुआ है। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूर दब गए। आनन फानन में सभी को बाहर निकाला गया। इसमें चार मजदूरों के मौत की बात कही जा रही है। छह की हालत नाजुक बताई जा रही है। जिले भर की एंबुलेंस को राहत बचाव कार्य में लगाया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरफ की टीम रेस्क्यू आपरेशन में जुटी है।हादसे के चलते मलाक हरहर में लखनऊ हाईवे पर वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमा वर्मा, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक लोग दब गए। घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से एसआरएन अस्पताल पहुंचाया गया है। फाफामऊ समेत आसपास के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि मौके से निकाले गए चार मजदूरों की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम बचाव कार्य में जुट गई है। दर्जन भर से अधिक जेसीबी मलबो को हटाकर दबे हुए लोगों को खोज रही है। शाम सवा चार बजे तक तीन शव निकाले जा चुके हैं। सभी मजदूर बिहार के सहरसा जिले के बताए जा रहे हैं। एक मृतक की पहचान सहरसा

के ज्योतिष के रूप में हुई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए हादसे पर दुख जताया है। पीएम ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हों। पीएमएनआरएफ से हर मृतक के परिवार वालों को दो लाख रुपये की मदद दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। जनपद प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के कोल्ड स्टोरेज में हुई भीषण दुर्घटना को हृदय विदारक बताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, घायलों के तत्काल बेहतर इलाज और जिला प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति मिले। इस दर्दनाक हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई है। हालांकि, जिला प्रशासन ने अभी आधिकारिक तौर पर मौतों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन मृतकों के नाम सामने आने लगे हैं। मृतकों में पिलत चौधरी, मशींदर, ज्योतिष और जगदीश के नाम शामिल बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, इनमें से तीन मजदूर बिहार के रहने वाले थे, जबकि एक श्रमिक स्थानीय निवासी था।

युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन : अब तक 17 सुरक्षित बाहर

हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुँच गईं। राहत और बचाव कार्य के लिए स्डक्ब और हडक्ब की टीमों को भी तैनात किया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन को तेज करने के लिए 7 जेसीबी मशीनों की मदद ली जा रही है, जो मलबे को हटाने का काम कर रही हैं। अब तक राहत कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद 17 मजदूरों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। कोल्ड स्टोरेज की बिल्डिंग गिरने के पीछे लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की बात भी सामने आ रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि धमाका इतना जोरदार था कि आसपास की इमारतों में भी कंपन महसूस किया गया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत मण्डल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर

बेमेतरा। नगर पंचायत बेरला के वार्ड क्रमांक 14 स्थित सामुदायिक भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत मण्डल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन दर्शन आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका 'अंत्योदय' का विचार केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्तितक विकास और सुविधा पहुंचाने का संकल्प है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस विचारधारा को अपने व्यवहार और कार्यशैली में उतारें तथा समाज के हर वर्ग तक संगठन की नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाएं। उन्होंने अपने विस्तृत संबोधन में कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की निष्ठा, अनुशासन और समर्पण पर आधारित होती है। आज का यह प्रशिक्षण शिविर केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कौशल को निखारने का एक सशक्त मंच है। ऐसे आयोजनों से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होता है और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ जनसेवा के कार्यों में जुटते हैं। विधायक साहू ने कहा कि वर्तमान समय में समाज और देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर है, ऐसे में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्हें चाहिए कि वे जन-जन तक पहुंचकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें और पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि एक सशक्त संगठन ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है, और इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता का सक्रिय योगदान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए कहा कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य है। प्रशिक्षण के माध्यम से युवा कार्यकर्ताओं को सही दिशा, विचार और उद्देश्य मिलता है, जिससे वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे सेवा, समर्पण और संगठन के मूल मंत्र को अपनाकर समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री संध्या परगनिया युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी जिला पंचायत सदस्य प्रीतम चंदेल मण्डल अध्यक्ष डोमेन्द्र राजपूत नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल राज देशलहरे, संजीव तिवारी, रूपचंद धीवर, राजू साहू, जगदीश कुर्रे, एन के तिवारी, अमृत माहेश्वरी, पुष्पा टंकेश साहू, आशीष सोनी मण्डल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाना रहा।

10000 से अधिक असाक्षरों ने साक्षर होने के लिए दिया परीक्षा, 545 परीक्षा केंद्र

बेमेतरा। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत बेमेतरा जिला के चारों विकासखंड में परीक्षा का आयोजन हुआ। उक्त परीक्षा के आयोजन में लगभग 10000 से अधिक असाक्षर अपने आप को साक्षर बनाने हेतु परीक्षा में सम्मिलित होकर इस परीक्षा को संपन्न किया। यह परीक्षा मुख्य रूप से चारों विकासखंड के 545 परीक्षा केन्द्रों में संपन्न हुआ जिसमें 10000 से अधिक परीक्षार्थी बैठकर अपने आप को साक्षर बनाने हेतु एक आवश्यक कदम और मुहिम के तहत परीक्षा संपन्न कराए, इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यही है की राष्ट्रव्यापी महा परीक्षा अभियान उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा एफएलएनटी के तहत प्रारंभिक शिक्षा को जन जन बने साक्षर थीम के तहत समाज के हर जगह वर्ग तक साक्षर होने का एक लक्ष्य स्थापित करना इस दिशा में बेमेतरा जिला द्वारा 10000 से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा में सम्मिलित हुए। इस परीक्षा में मुख्य रूप से उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान का शुभारंभ परीक्षा केंद्र तिवरैया विकासखंड बेरला से समय 11:30 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य रूप से भारत सरकार से सुनीता सिंह चौहान, सीनियर कंसलटेंट (एडल्ट एजुकेशन ब्यूरो), शिक्षा मंत्रालय, स्वाती दास, सहायक संचालक,राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, तथा डेकेश्वर वर्मा, सहायक प्राध्यापक एवं एससीएल प्रभारी एवं मुकुंद साहू, सहायक प्राध्यापक एवं डीसीएल प्रभारी द्वारा एवं जिला शिक्षा अधिकारी चतुर्वेदी, जिला मिशन समन्वयक पन्नागर एवं सहायक नोडल खोमलाल साहू के माध्यम से प्रथम केंद्र का निरीक्षण और अवलोकन किया गया। जिसमें कुल 15 प्रशिक्षार्थी ने परीक्षा केंद्र में प्रारंभिक भाषा शिक्षा के अंतर्गत महा परीक्षा में सम्मिलित होकर परीक्षा संपादित किया। जिसमें मुख्य रूप से सुनीता सिंह चौहान सीनियर कंसल्टेड द्वारा सभी नवसाक्षर को परीक्षा से संबंधित प्रश्नों का अभ्यास हेतु पूछा गया। साथ ही साथ लगातार अध्ययन अध्यापन बनाए रखने और पूरे गांव को साक्षरता युक्त बनाने हेतु आवश्यक कदम उठाने हेतु निर्देशित किया गया। एवं साथ ही साथ गांव के सरपंच से भी मुलाकात करते हुए अपने गांव को पूर्ण साक्षर बनाने हेतु आवश्यक लक्ष्य निर्धारित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने हेतु बोला गया। इसी कड़ी में दूसरा निरीक्षण समय 12:00 बजे से पूर्व माध्यमिक शाला मटका केंद्र में किया गया। मटका केंद्र में कुल लक्ष्य 54 में से 22 प्रशिक्षार्थी उपस्थित पाए गए। कक्षा कक्ष का वातावरण बहुत ही अच्छा और सुदृढ़ पाया गया सभी नव साक्षर परीक्षा दिलाने में बहुत ही व्यस्त और सुसज्जित थे। सीनियर कंसल्टेड शिक्षा मंत्रालय सुनीता सिंह चौहान के द्वारा सभी असाक्षरों से वार्तालाप किया गया और उन्हें मूलभूत संख्या ज्ञान और सक्रियाओं में निपुण हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान किया गया। तत्पश्चात अगला निरीक्षण बेमेतरा उप जेल में किया गया ।।उप जेल में 22 बंदी ने परीक्षा दिलाया सभी बहुत ही प्रफुल्लित और खुश थे उन्होंने जेल प्रशासन और राज्य प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम भी एक साक्षर की तरह आगे चलकर जीवन यापन कर सकते हैं इसी प्रकार से लगातार कार्यक्रम करने हेतु जेल प्रशासन को बहुत-बहुत धन्यवाद प्रेषित किया गया तथा साथ ही साथ सुश्री सुनीता सिंह चौहान सीनियर कंसल्टेड द्वारा सभी बंदियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और जेल प्रशासन को बहुत ही धन्यवाद प्रेषित किया गया। इस परीक्षा केंद्र में, निरीक्षण में , राहुल पांडे जेल अधीक्षक बेमेतरा, विकास खंड शिक्षा अधिकारी साजा निलेश चंद्रवंशी, जय प्रकाश करमाकर, बेरला सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी अदेश चूईके, विकास खंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक, राजेंद्र साहू, कमलेश निषाद एवं समन्वयक जलेश जांगड़े सहित संस्था के प्रधान पाठक और शिक्षक और साथ ही साथ वालंटियर शिक्षकों ने अपनी सहभागिता प्रदान किया।

केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुचाएं

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जिला बालोद के संगठन को और अधिक सशक्त और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से आगामी आज महत्वपूर्ण प्रथम परिचयात्मक बैठक का आयोजन किया गया है। जिला भाजपा कार्यालय, बालोद में दोपहर 03:00 बजे आयोजित होने वाली इस बैठक में जिले भर के नवनियुक्त पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल का गरिमामयी सानिध्य प्राप्त होगा। उनके मार्गदर्शन में पिछड़ा वर्ग मोर्चा आगामी महीनों के लिए अपनी रणनीति साझा करेगा और संगठन के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। भाजपा जिला पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महामंत्री जनार्दन सिन्हा एवं संतोष कौशिक ने संयुक्त रूप से बताया कि इस बैठक का मुख्य लक्ष्य नवनियुक्त पदाधिकारियों का परिचय कराना और केंद्र व राज्य सरकार की ओबीसी वर्ग के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुँचाना है। बैठक में जिले में निवासरत समस्त प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य एवं जिले के सभी 17 मंडलों के अध्यक्षों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की सफलता हेतु इस बैठक को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मोर्चा पदाधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया है।

फिल्म भाग्य विधाता का विशेष प्रदर्शन माथुर सिनेप्लेक्स पर किया गया

दल्लीराजहरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय दल्लीराजहरा द्वारा सिंध की धरती से ऊपजे दादा लेखराज कृपलानी की जीवन गाथा पर आधारित फिल्म भाग्य विधाता का विशेष प्रदर्शन माथुर सिनेप्लेक्स पर किया गया। शहर के लोगों ने काफी संख्या में इसका लाभ लिया इस भाग्य विधाता फिल्म का उदघाटन दीप प्रज्वलित करके किया गया। दीप प्रज्वलित करने वाले ब्रह्मा कुमारी पूर्णिमा संचालिका ब्रह्मा कुमारीज दल्लीराजहरा, नगरपालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू, व्यापारी संघ के अध्यक्ष गोविंद वाधवानी, माथुर सिनेप्लेक्स के आशुतोष माथुर, समाज सेवी साहित्यकार (छत्तीसगढ़ रत्न) शिरोमणि माथुर, ब्रह्मा कुमारी स्वर्णा बहन, ब्रह्मा कुमारी आशा बहन, संजय पंजवानी, गोपेश सोनवानी, रमेश जैन, टी आर राणा डे आदि सभी कार्यक्रम का उदघाटन दीप प्रज्वलित कर किया ब्रह्मा कुमारी पूर्णिमा बहन ने भाग्य विधाता फिल्म का उद्देश्य बताया कि त्याग तपस्या सेवा की प्रति मूर्ति दादा लेखराज इस संस्था के संस्थापक थे उनके मुखाग्र द्वारा परमात्म शक्ति का संचार हुआ और वो परमात्म शक्ति ने ईश्वरीय और आध्यात्मिक ज्ञान सुनाकर राजयोग सिखाया जिससे मानव जीवन में सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति हुई और मानव अपने जीवन में श्रेष्ठ कर्म सिखकर अपने संस्कारो को उच्च बनाकर दैवी गुणों को प्राप्त कर देवत्व को प्राप्त किया। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त यह संस्था विश्व के 140 देशों के अंदर पूरे 90 वर्षों से ईश्वरीय सेवा का संचार कर आत्मसात कराकर आत्माओं में जागृति पैदा करने का एक मात्र कर्तव्य निभा रही है ।

एएसपी यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण कर थाना खम्हरिया का किया निरीक्षण

बेमेतरा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण दौरान थाना खम्हरिया एवं पुलिस सहायता केंद्र बिरनपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उपस्थित अधिकारी व जवानों को मजबूत सूचना तंत्र विकसित कर बेहतर पुलिसिंग करने, अधिकारी/ कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाए जाने के साथ कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में निर्देश दिए। एएसपी ने चोरी औरअपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त, पेट्रोलिंग और काम्बिंग गश्त करने के निर्देश दिए गए। काम्बिंग गश्त के दौरान हाटल, लाज, ढाबा, एटीएम, बैंक, बस स्टैण्ड, प्रतिक्षालय एवं संदिग्ध व्यक्तियो कि चेकिंग करने, गली-मोहल्लें एवं चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नजर रखने, साथ ही आसपास के ग्रामीण इलाकों में गस्त को बढ़ाने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होनें अवैध शराब, जुआ, सट्ठा, गांजा, नशीली दवाओं और अन्य अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। लंबित अपराध, मर्ग, गुम इंसान एवं शिकायतों के शीघ्र निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से हॉट/बाजारों एवं ग्रामों में जागरूकता अभियान चलाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बीट प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करें तथा जुआ, अवैध शराब, मादक पदार्थों की गतिविधियों की जानकारी संकलित करें। निगरानी एवं सूचीबद्ध अपराधियों पर सतत नजर रखें तथा क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचनाएं नियमित रूप से बीट पुस्तिका में अद्यतन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य थाना/चौकी स्तर पर जनसंपर्क को सुदृढ़ करना एवं अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। बीट प्रणाली से सूचना तंत्र मजबूत होगा और क्षेत्र पर पुलिस का नियंत्रण बेहतर होगा।

एएसपी ने सशक्त एप के माध्यम से वाहनों की चेकिंग कार्यवाही को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इसके साथ ही, स्मार्ट और हाईटेक पुलिसिंग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। विजिबल पुलिसिंग और चेकिंग अभियान को सक्रिय करने की बात कही। इसके अलावा अधिकारी एवं कर्मचारियों को आमजन/ महिला आगंतुक / रिपोर्टकर्ता से संयमित व्यवहार करने एवं उनकी रिपोर्ट को गंभीरता पुर्वक लेते हुये तत्काल उचित कार्यवाही करने। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय की टीम ने साक्षरता अभियान के संबंध में जिला बेमेतरा की सराहना

बेमेतरा। उल्लास साक्षरता अभियान के अंतर्गत केंद्र और राज्य की टीम के माध्यम से बेमेतरा जिले के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण और अवलोकन किया गया। निरीक्षण और अवलोकन में केंद्र और राज्य के टीम द्वारा जिला बेमेतरा के सभी विद्यालयों में उचित व्यवस्था और साथ-साथ जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा की सक्रियता एवं जिला स्तर के अधिकारियों ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को संबंध में बहुत ही अच्छा कार्य किया। जिसका असर जमीन स्तर पर भी देखने को प्राप्त हुआ। इसके संबंध में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य अनुसंधान परिषद की टीम द्वारा जिला बेमेतरा की उल्लास केंद्रों के संबंध में प्रशंसा किया। इसमें मुख्य रूप से भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय से सुनीता सिंह चौहान सीनियर कंसल्टेड एडल्ट एजुकेशन ब्यूरो, स्वाति दास सहायक संचालक राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर, जिला शिक्षा अधिकारी चतुर्वेदी, प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बेमेतरा के प्राचार्य जे के धृतलहरे, डाइट व्याख्याता थलज कुमार साहू, जिला मिशन समन्वयक पन्नागर, जिला नोडल अधिकारी खोमलाल साहू, प्रशिक्षण मार्गदर्शक भुवन लाल साहू, हरीश वर्मा, सहित समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं बीआरसी उपस्थित थे।

तोड़फोड़ और 25 लाख रुपये की क्षति मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। बेमेतरा सिटी कोतवाली पुलिस ने रात में घर में घुसकर तोड़फोड़ और उत्पात मचाने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने घर के शीशे और पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया था। मामले में पुलिस ने करीब 25 लाख रुपये की क्षति का आकलन किया है। एडिशनल एसपी हरीश कुमार यादव ने बताया कि 26 अक्टूबर 2025 को मेहर सिंह सलूजा उर्फ क्रिश ने अपनी डिफेंडर कार को तेज और लापरवाही से चलाते हुए कतैली के पास कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि अन्य घायल हुए थे। इस घटना से नाराज लोगों की भीड़ उसी रात करीब 8:30 से 10 बजे के बीच आरोपी के घर और दुकान पहुंच गई। भीड़ ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त वाहनों का पंचनामा तैयार किया। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पीड़ित पक्ष के परिजनों ने आरोपियों की पहचान की। करीब 5 महीने बाद विवेचना के दौरान पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में युवराज साहू उर्फ राजू (19) ब्राम्हणपारा, समीर रजा (19) बाजारपारा, साहिल सोलंकी (29) कुर्मीपारा, भोला सोनी (22) सोनीपारा और जिवेश तिवारी (25) कोविया शामिल हैं।

प्रथम संयुक्त अभिभावक-शिक्षक बैठक एवं द्वितीय बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का सफल आयोजन संपन्न

बेमेतरा। द वारक्राई मार्शल आर्ट्स एंड सेल्फ डिफेंस एकेडमी, बेमेतरा के द्वारा प्रथम संयुक्त Parent-Teacher Meeting (P.T.M.) एवं द्वितीय बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों एवं प्रशिक्षकों के बीच विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं अनुशासनात्मक विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। अभिभावकों को विद्यार्थियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा उनके महत्वपूर्ण सुझाव भी प्राप्त किए गए। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में आयोजित बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में विद्यार्थियों ने अपने कौशल, तकनीक, फिटनेस एवं आत्मरक्षा क्षमताओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न बेल्ट स्तरों के अनुसार विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया गया। इस परीक्षा में कुल 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 18 ऑरेंज बेल्ट एवं 12 येलो बेल्ट के खिलाड़ी शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वजय सिन्हा (अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद बेमेतरा) उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में विकास ताम्बूली, नीतू कोठरी, निखिल साहू एवं लक्की साहू (पार्षदगण), साथ ही विवेक पोल, भाग्यश्री पोल एवं नम्रता साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा हेतु भिलाई से सिहान अमल तालुकदार जी एवं दत्तात्रेय राव जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक भानुप्रताप साहू ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मार्शल आर्ट्स केवल आत्मरक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन एवं व्यक्तित्व विकास का सशक्त साधन है। सफल विद्यार्थियों को समारोह में प्रमाण पत्र एवं बेल्ट प्रदान किए गए।

ऑरेंज बेल्ट प्राप्त करने वाले खिलाड़ी में : आयुषी साहू, श्रेया शर्मा, हरि राम, सर्वेश पोल, यशस्वी वर्मा, राजवीर वर्मा, रूद्र चौहान, अर्नब वर्मा, अरव सिन्हा, वसुन्धरा शुक्ला, आरुषि बंजारे, जीयांशी देवांगन, भावी टंडन, आस्था वर्मा, दिव्यांशी पैकरा, आभा पांडे, अमय शर्मा, अनाया शर्मा शामिल हैं।

येलो बेल्ट प्राप्त करने वाले खिलाड़ी में : आर्विका तिवारी, कशिका ठाकुर, काशवी ठाकुर, वरुणी सिंह, मोहम्मद आर्यन खान, विवान सिंह, ईशान सोनी, महम नायला कुरैशी, ज़ैनब फातिमा कुरैशी, भाग्यश्री वैष्णव, गुरमेर कौर, रमणीक कौर शामिल हैं। अंत में सभी अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल से चलता था सट्टा रैकेट, मुख्य खाईवाला गिरफ्तार

रायपुर। नरहरपुर पुलिस ने सट्टे के संगठित नेटवर्क पर बड़ी चोट करते हुए उस मुख्य खाईवाले को गिरफ्तार कर लिया है, जो मोबाइल के जरिए पूरे अवैध कारोबार को संचालित कर रहा था। इस कार्रवाई ने इलाके में चल रहे सट्टा रैकेट की जड़ तक पहुंचने का संकेत दिया है। मामले की शुरुआत 4 फरवरी 2026 को हुई, जब पुलिस को सूचना मिली कि देवीनवागांव मंडी चौक स्थित एक कपड़ा प्रेस की दुकान में सट्टा पट्टी लिखकर लोगों को लालच देकर अवैध सट्टा खिलाया जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी रामेश्वर निर्मलकर को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान रामेश्वर ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि वह केवल एक कड़ी था, जबकि असली संचालन दिलीप कुमार साहू कर रहा था, जो ग्राहकों से जुटाए गए पैसे और नंबर लेकर पूरे सट्टा नेटवर्क का संचालन करता था। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 112 जोड़कर जांच को और तेज किया। पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में नरहरपुर थाना प्रभारी सोमेश सिंह बघेल के नेतृत्व में टीम गठित की गई। फरार आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस ने आखिरकार घेराबंदी कर दिलीप कुमार साहू (32 वर्ष), निवासी लखनपुरी, थाना चारामा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने मोबाइल के माध्यम से सट्टा संचालन कर अवैध कमाई करने की बात स्वीकार की। उसके कब्जे से सट्टा संचालन में प्रयुक्त सैमसंग गैलेक्सी-30 मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश, करोड़ों की ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार

रायपुर। बीमा पॉलिसी की मोटी रकम दिलाने का झांसा देकर देशभर में करोड़ों की ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का रायपुर पुलिस ने बड़ा भंडाफोड़ किया है। दिल्ली-एनसीआर में फर्जी कॉल सेंटर चला रहे इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जो आवाज बदलकर लोगों को जाल में फंसाते थे और लाखों रुपये ऐंठ लेते थे। मामला तब सामने आया जब मुजगहन क्षेत्र निवासी परमजीत सिंह चड्ढा ने शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें 98 लाख 64 हजार रुपये की बीमा पॉलिसी मैच्योर होने का लालच दिया गया। खुद को बैंक अधिकारी बताने वाले ठगों ने पहले प्रोसेसिंग फीस, फिर कागजी कार्रवाई और टैक्स के नाम पर अलग-अलग किश्तों में उनसे कुल 9 लाख 60 हजार रुपये ठग लिए। शक होने पर जब पीड़ित ने दस्तावेजों की जांच कराई तो पूरा खेल सामने आया। इस गंभीर मामले को पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला के नेतृत्व में एंटी क्राइम और साइबर यूनिट ने चुनौती के रूप में लिया। तकनीकी विश्लेषण के जरिए मोबाइल नंबरों और बैंक खातों की जांच करते हुए पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंची। जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर के नोएडा स्थित गौर सिटी मॉल में फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर रहा था। पुलिस टीम ने दिल्ली में डेरा डालकर लगातार निगरानी के बाद कॉल सेंटर पर दबिश दी, जहां से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे बीमा मैच्योरिटी और लोन दिलाने के नाम पर लोगों को झांसे में लेकर देशभर में ठगी कर रहे थे। आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं, जिनका उपयोग ठगी के लिए किया जाता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल कुमार (37 वर्ष), अजय तिवारी (33 वर्ष) और रिंकू सिंह (42 वर्ष) के रूप में हुई है, जो गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के निवासी हैं। ये लोग पिछले नौ महीनों से फर्जी कॉल सेंटर के जरिए संगठित तरीके से ठगी का नेटवर्क चला रहे थे और पहचान छिपाने के लिए फर्जी मोबाइल नंबर और बैंक खातों का इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत मामला दर्ज किया है। साथ ही देश के अन्य राज्यों में की गई ठगी की घटनाओं को लेकर भी उनसे पूछताछ जारी है।

आरंग में अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई, करोड़ों की मशीनें-वाहन जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर से सटे आरंग इलाके में महानदी से रेत के अवैध उत्खनन पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए माफियाओं पर शिकंजा कस दिया है। लंबे समय से मिल रही शिकायतों के बाद खनिज विभाग, राजस्व अमला और आरंग पुलिस की संयुक्त टीम ने देर रात सर्जिकल स्ट्राइक कर करोड़ों रुपये की मशीनरी और वाहनों को जब्त किया।प्रशासन को सूचना मिली थी कि कुम्हारी, कुरूद और मोहमेला घाटों पर रात के अंधेरे में बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन किया जा रहा है। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की गई, जिसमें रेत परिवहन में लगे 11 हाइवा वाहन, नदी के बीच से रेत निकालने वाली एक चैन माउंटेन मशीन और घाटों पर लोडिंग में लगी दो जेसीबी मशीनों को जब्त किया गया।इस बड़ी कार्रवाई के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने खुद मोर्चा संभाला।

मुख्यमंत्री साय ने जुनवानी नर्मदा धाम में की पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ की परिक्रमा

साहू समाज एक विशाल,शिक्षित और समृद्ध समाज है-सीएम साय

- व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना
- मुख्यमंत्री पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

चैत्र नवरात्रि की पावन चतुर्थी तिथि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कबीरधाम जिले के ग्राम जुनवानी नर्मदा धाम में आयोजित पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ विधि-विधान से यज्ञ की परिक्रमा की तथा व्यासपीठ की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं का आत्मीय अभिवादन किया और सभी को चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जिला साहू संघ द्वारा आयोजित पंच कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री शिव महापुराण कथा में शामिल होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि आज इस पावन यज्ञ में शामिल होने का अवसर मिलना उनके लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज एक विशाल, शिक्षित और समृद्ध समाज है, जो सदैव समाज को दिशा देने का कार्य करता रहा है। उन्होंने दानवीर भामाशाह का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इसी समाज से थे, जिन्होंने अपने त्याग और दान से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि रायगढ़ में पूज्य श्री सत्यनारायण बाबा भी इसी समाज से हैं, जो पिछले 28 वर्षों से खुले आसमान के नीचे तपस्या में लीन हैं। ऐसे महान संत समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई समाज संगठित होकर कार्य करता है, तो उसका लाभ केवल उस समाज तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उससे पूरे राष्ट्र का विकास होता है। उन्होंने कहा कि साहू समाज इसी तरह संगठित और सशक्त होकर निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यहां आयोजित रुद्र महाशिव यज्ञ एवं कथा से छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को विशेष आशीर्वाद प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संत-महात्माओं की तपोभूमि रही है। यह माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का अधिकांश समय इसी धरती पर बिताया है, वहीं माता शबरी का पावन स्थान भी छत्तीसगढ़ में स्थित है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि व्यासपीठ पर विराजमान संत-महात्माओं की कृपा से प्रदेश में सवा लाख शिवलिंग स्थापना का पावन कार्य भी किया जा रहा है, जो आध्यात्मिक चेतना को और सशक्त करेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा रामलला दर्शन योजना संचालित की जा रही है। छत्तीसगढ़ के लोग भगवान श्रीराम को अपना भांचा मानते हैं, इसलिए उन्हें अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन कराने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। अब तक 40 हजार से अधिक रामभक्त अयोध्या जाकर दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत प्रदेश के बुजुर्गों को देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही है, ताकि वे अपने जीवन में धार्मिक आस्था के इन पवित्र स्थलों का दर्शन कर सकें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सरकार ने कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत किए हैं। इनमें छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक प्रमुख है, जिसे समाज में बढ़ती संवेदनशील परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लाया गया है।

सवा पांच किलों गांजा के साथा महिला,पुरूष गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर की गंज थाना पुलिस तथा एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए थाना क्षेत्र से एक महिला व पुरूष को 5.260 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मूलत: मध्यप्रदेश के रहने वाले है जो कि ओडिशा से गांजा खरीदकर रायपुर के रास्ते भोपाल जाने वाले थे। जिन्हें पुलिस ने धर दबोचा। बता दें कि अवैध एवं प्रतिबंधित मादक पदार्थों, प्रतिबंधित नशीली टेबलेट एवं सिरप तथा सूखे नशे की तस्करी, खरीदी-बिक्री, नियंत्रण एवं रोकथाम के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त (क्राईम एवं साईबर) रायपुर के पर्यवेक्षण तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राईम एवं साईबर) रायपुर के नेतृत्व में 10 सदस्यीय एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स का गठन किया गया है। उक्त टीम को एंड टू एंड एवं फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी कार्यवाही करने सहित स्त्रोत के बारे में विस्तृत जानकारी लेकर उनके विरूद्ध विधिसंगत विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट टीम को सूचना मिली कि थाना गंज क्षेत्रांतर्गत राजपूताना होटल के सामने एक महिला एवं एक पुरूष अपने पास बैग में गांजा रखें है तथा कहीं जाने की फिराक में है। उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राईम एण्ड साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को सूचना की तस्दीक कर आरोपियों को मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साइबर यूनिट, एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए टीम के सदस्यों द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्तियों को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों द्वारा अपना नाम कैलाश कुशवाहा तथा पूजा पटेल निवासी भोपाल मध्यप्रदेश का होना बताया गया।

नवागांव में गांजा तस्करी का भंडाफोड़, दो आरोपी रंगे हाथ गिरफ्तार

रायपुर। मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त अभियान चला रही धमतरी पुलिस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। अर्जुनी थाना क्षेत्र के नवागांव में गांजा बेचते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से गांजा, मोबाइल और मोटरसाइकिल सहित कुल 82 हजार 680 रुपये कीमती सामग्री जब्त की है। जानकारी के अनुसार, अर्जुनी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम नवागांव स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन के पीछे दो युवक अवैध रूप से गांजा बेच रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची, दोनों आरोपी भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन सतर्क पुलिस ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 518 ग्राम गांजा बरामद किया गया।

खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स 2026

तैयारियों को लेकर संभागायुक्त महादेव कांवरे ने ली बैठक.....

रायपुर। संवाददाता

संभागायुक्त महादेव कांवरे की अध्यक्षता में कार्यालय आयुक्त रायपुर संभाग, रायपुर में स्थित सभाकक्ष में खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स 2026 के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों द्वारा आयोजन की जानकारी एवं रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगी, जिसमें लगभग 3800 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। संभागायुक्त ने अन्य अधिकारियों सहित अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पूल, कोटा स्टेडियम में जाकर आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में संभागायुक्त कांवरे ने प्रतिभागियों एवं उनके साथ आने वाले सहयोगी स्टाफ की सुविधा के लिए विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर स्टॉल स्थापित कर ड्यूटी लगाई जाए, ताकि आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पर्याप्त संख्या में वॉलन्टियर्स की नियुक्ति करने तथा उन्हें आयोजन में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों जैसे 'बेस्ट वॉलन्टियर' को मेडल, वॉलन्टियर सर्टिफिकेट एवं आयोजन के प्रचार-प्रसार में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आयोजन स्थलों पर स्वच्छता, स्वच्छताकर्मियों की ड्यूटी, पेयजल व्यवस्था तथा वेस्ट मैनेजमेंट की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने सभी वेन्यू स्थल एवं खिलाड़ियों के ठहरने के स्थान पर मेडिकल टीम तैनात करने तथा खेल स्थलों एवं अन्य राज्यों से आये दलों के आवास स्थलों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा आवश्यकता नुसार डी.जी.सेट की उपलब्धता सुनिश्चित करने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए।

बीपी मशीन की आड़ में कुरियर से मंगाया कोकीन,युवक गिरफ्तार.....

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर की क्राईम एवं सायबर टीम ने मादक पदार्थ कोकीन मंगाने बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे आरोपी कृष्ण गोपाल अग्रवाल गिरफ्तार हो गया है। आरोपी द्वारा बीपी मशीन की आड़ में कुरियर से कोकीन मंगाया गया था। बता दें कि अवैध एवं प्रतिबंधित मादक पदार्थों, प्रतिबंधित नशीली टेबलेट एवं सिरप तथा सूखे नशे की तस्करी, खरीदी-बिक्री, नियंत्रण एवं रोकथाम के उद्देश्य से पुलिस उपायुक्त (क्राईम एवं साईबर) रायपुर के पर्यवेक्षण तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (क्राईम एवं साईबर) रायपुर के नेतृत्व में 10 सदस्यीय एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स का गठन किया गया है। उक्त टीम को एंड टू एंड एवं फाइनेंशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी कार्यवाही करने सहित स्त्रोत के बारे में विस्तृत जानकारी लेकर उनके विरूद्ध विधिसंगत विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी कड़ी में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना देवेन्द्रनगर क्षेत्रांतर्गत नारायणा हॉस्पिटल सेक्टर 05 के पास 01 व्यक्ति चारपहिया वाहन में अपने पास मादक पदार्थ कोकीन रखा है तथा ग्राहक की तलाश कर रहा है। उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राईम एण्ड साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को सूचना की तस्दीक कर आरोपियों को मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साइबर यूनिट, एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स तथा थाना देवेन्द्र नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए टीम के सदस्यों द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये चारपहिया वाहन एवं हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम कृष्ण गोपाल अग्रवाल निवासी खम्हारडीह रायपुर का होना बताया गया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके चारपहिया वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में श्री मारूती फर्म द्वारा कोरियर किया हुआ पैकेट बरामद हुआ, पैकेट के संबंध में पूछताछ करने पर कृष्ण गोपाल अग्रवाल गोलमोल जवाब देकर टीम के सदस्यों को गुमराह किया जा रहा था जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा पैकेट को चेक करने पर पैकेट बी.पी.मशीन का होना पाया गया।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में अग्नि सुरक्षा कार्यशाला,व्यापारियों को किया गया जागरूक

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में भीषण गर्मी के पूर्व अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर आज कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कपड़ा व्यापारी एवं दवा व्यापारी सहित जिला प्रशासन की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्मी के समय होने वाले संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान नगर सेना के निर्देशक चंद्रमोहन सिंह ने व्यापारियों को आग लगने के प्रमुख कारणों, उससे बचाव के उपायों एवं आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। सिंह ने उपस्थित व्यापारियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचित करें। कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों ने इस पहल को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें आग से बचाव और सुरक्षा के प्रति महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। सभी व्यापारियों ने कहा कि हम सभी शासन एवं प्रशासन के साथ है । इस अवसर पर अपर कलेक्टर कौर्तिमान सिंह राठौर, अपर कलेक्टर नवीन ठाकुर, एसडीएम रायपुर नंदकुमार चौबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहान योजना से उन्नत खेती से शीला राजवाड़े बनीं लखपति दीदी

- 'बिहान' से जुड़कर संवर रही ग्रामीण महिलाओं की आजिविका

रायपुर/ संवाददाता

महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और निर्णय लेने में सक्षम बनाना है, ताकि वे पुरुष के बराबर अधिकार और सम्मान प्राप्त कर सकें। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के माध्यम से आत्मविश्वास बढ़ाकर लैंगिक असमानता को खत्म करने की एक प्रक्रिया है। प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ग्रामीण अंचलों में महिलाओं के जीवन में नई रोशनी ला रही है। सरगुजा जिले में इस योजना के माध्यम से हजारों महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी एक नई पहचान भी बना रही हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आमदरहा की श्रीमती शीला राजवाड़े की सफलता की कहानी अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। वरदान महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य श्रीमती शीला राजवाड़े बताती हैं कि समूह से जुड़ने से पहले उनका जीवन काफी संघर्षपूर्ण था। पति के पास नियमित रोजगार न होने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय थी और छोटी-छोटी जरूरतों के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। शीला ने बताया कि वर्ष 2023 में 'बिहान' योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। उन्हें समूह के माध्यम से 60 हजार रुपये का प्रारंभिक ऋण प्राप्त हुआ, जिसे उन्होंने उन्नत सब्जी उत्पादन में निवेश किया। आज वह बड़े पैमाने पर लौकी, करेला और बैंगन जैसी सब्जियों की मिश्रित खेती कर रही हैं। इससे उन्हें न केवल नियमित आय प्राप्त हो रही है, बल्कि वे अपने घर का खर्च भी स्वयं वहन कर रही हैं। महिलाओं को अपने जीवन के हर निर्णय में बराबरी का अधिकार और आत्मविश्वास देना है। जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती है और अपनी आवाज़ बेझिझक उठा पाती है, तो उसका प्रभाव सिर्फ उसके जीवन तक सीमित नहीं रहता। वह पूरे परिवार, समाज और देश को मज़बूत बनाती है। अपनी कार्यकुशलता और समर्पण के कारण शीला को समूह में वी.ओ.ए. के पद की जिम्मेदारी भी मिली है। वे अब गाँव की अन्य महिलाओं को भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

प्रदेश के गांव-गांव से ऐसी प्रेरक कहानियां सामने आ रही

महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल से आत्मविश्वास तक और सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ प्रदेश की महिलाएं

रायपुर/ संवाददाता

किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तब मानी जाती है जब उसकी महिलाएं सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने लगें। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना इसी दिशा में एक ऐतिहासिक और संवेदनशील पहल बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह योजना आज लाखों महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास, आर्थिक संबल और नई उम्मीदों का संचार कर रही है। आर्थिक संबल से आत्मविश्वास तक, सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की महिलाएंआर्थिक संबल से आत्मविश्वास तक, सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की महिलाएं महतारी वंदन योजना केवल हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सपनों को पंख देने, उनके आत्मसम्मान को मजबूत करने और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बन गई है। प्रदेश के गांव-गांव से ऐसी प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं, जो बताती हैं कि छोटे-छोटे आर्थिक सहयोग से भी बड़े सामाजिक बदलाव संभव हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर में आयोजित वृहद महतारी वंदन कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से वर्चुअल संवाद कर अपने जीवन में आए बदलाव साझा किए। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम खोडरी की श्रीमती अनीता साहू ने बताया कि पहले आर्थिक कठिनाइयों के कारण परिवार चलाना मुश्किल था, लेकिन योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और अनीता सिलाई सेंटर शुरू किया। आज वे सिलाई, खेती और मजदूरी के माध्यम से अपने परिवार को बेहतर जीवन दे रही हैं। उनका यह सफर संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक की प्रेरक कहानी बन गया है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की श्रीमती मिथलेश चतुर्वेदी ने भी अपने जीवन का भावुक अनुभव साझा किया। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक संबल दिया और उन्होंने ई-रिक्शा

संपादकीय

ताक पर मानवता-स्कूल और मासूमों को बनाया जा रहा निशाना

दुनिया भर में बढ़ते युद्धों के बीच मानवीय मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय नियमों की अनदेखी हो रही है। काबुल, लेबनान, यूक्रेन और ईरान में अस्पतालों, स्कूलों और चिकित्सा सुविधाओं पर हमलों से बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए। जिनेवा कन्वेंशन के बावजूद ऐसे हमले जारी हैं।युद्ध के मौजूदा दौर में मानवीय मूल्यों को ताक पर रखा जा रहा है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हैं। हाल में यह इस तरह की अकेली घटना नहीं है।इस मामले में पाकिस्तान की दलील है कि उसने सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया था। हालांकि यह उसकी अपनी करतूतों पर पर्दा डालने की एक नाकाम कोशिश है। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे सैन्य कार्रवाई के नाम पर किया गया नरसंहार बताया है। पिछले साल भी जब पाकिस्तान-अफगानिस्तान में टकराव हुआ था, तो पाकिस्तानी सेना ने अफगानी क्रिकेटर्स को निशाना बनाया था।यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान तक, जैसे-जैसे संघर्ष का दायरा बढ़ रहा है, मानवता को आघात पहुंच रहा है। पिछले शुक्रवार को दक्षिण लेबनान में एक मेडिकल सेंटर पर इस्राइल ने हमला किया था, जिसमें 12 स्वास्थ्यकर्मियों की जान चली गई। लेबनान का दावा है कि मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से चिकित्सा सुविधाओं पर कम से कम 37 हमले हुए हैं और 31 हेल्थकेयर स्टाफ की मौतें हुई हैं। इसी तरह, ईरान पर हमले के पहले ही दिन अमेरिका-इस्राइल की मिसाइल एक स्कूल पर जा गिरी थी, जिसमें लगभग 170 लोगों की मौत हो गई और इसमें ज्यादातर बच्चे थे।अंतरराष्ट्रीय कानून, खासकर जिनेवा कन्वेंशन कहता है कि जीवन के लिए जरूरी बुनियादी ढांचों पर हमला नहीं किया जा सकता। मेडिकल स्टाफ को हर हाल में सुरक्षित रखा जाना चाहिए। ऐसे हमले कानूनी ही नहीं, नैतिक रूप से भी गलत हैं। लेकिन, आंकड़े कहते हैं कि आज किसी को न नैतिकता की पड़ी है और न नियमों की। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, केवल यूक्रेन में ही 2022 के बाद से अभी तक हेल्थ केयर फैसिलिटीज पर 2881 हमले हो चुके हैं। और हॉस्पिटल ही नहीं, पश्चिम एशिया संकट में तो पानी और तेल के ठिकाने भी निशाना बन रहे हैं।इस तरह की घटनाएं बार-बार इसलिए हो रही हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अब कोई वास्तविक ताकत नहीं बची। वर्ल्ड ऑर्डर में केवल एक चीज मायने रख रही है - कौन किस पर किस तरह से हावी हो सकता है। जरूरत निंदा और आलोचना से आगे ठोस कार्रवाई की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर यह तय करना होगा कि ऐसे हमलों की निष्पक्ष जांच की जाए और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो।

महाशक्तियों की जंग के बीच भारत की कूटनीति का दमदार प्रदर्शन, बन रहा है नया वैश्विक शक्ति संतुलन

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है।

21वीं सदी की वैश्विक राजनीति का सबसे बड़ा शक्ति संघर्ष अमेरिका और चीन के बीच तेजी से आकार ले रहा है। यह केवल आर्थिक प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि सैन्य ताकत, तकनीकी वर्चस्व और भू रणनीतिक प्रभुत्व की निर्णायक होड़ है। वहीं इस महाशक्ति संघर्ष के बीच भारत एक बेहद संतुलित लेकिन आक्रामक कूटनीति गढ़ रहा है। भारत की रणनीति स्पष्ट है कि किसी गुट का पिछलग्गू बने बिना अपनी सामरिक ताकत को इतना मजबूत करना है कि बदलते वैश्विक समीकरणों में वह निर्णायक शक्ति बन सके।

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है। भारत लगभग 80 से 85 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल है। हालांकि बजट के लिहाज से भारत अभी दोनों महाशक्तियों से पीछे है, लेकिन उसकी रणनीतिक स्थिति और भौगोलिक ताकत उसे वैश्विक शक्ति संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण बनाती है। हम आपको बता दें कि भारत की विदेश नीति का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है रणनीतिक स्वायत्तता। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी शक्ति खेमे में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने हितों के आधार पर निर्णय लेता है।

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है। भारत लगभग 80 से 85 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल है। हालांकि बजट के लिहाज से भारत अभी दोनों महाशक्तियों से पीछे है, लेकिन उसकी रणनीतिक स्थिति और भौगोलिक ताकत उसे वैश्विक शक्ति संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण बनाती है।

हम आपको बता दें कि भारत की विदेश नीति का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है रणनीतिक स्वायत्तता। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी शक्ति खेमे में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने हितों के आधार पर निर्णय लेता है। यही कारण है कि एक ओर भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वॉड मंच में सक्रिय भूमिका निभाता है, वहीं दूसरी ओर ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर चीन और रूस के साथ भी सहयोग बनाए रखता है। यह संतुलन आधारित नीति भारत को दोनों पक्षों के साथ काम करने की स्वतंत्रता देती है और उसे एक निर्णायक मध्य शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

इसके अलावा, हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है और चीन की समुद्री महत्वाकांक्षाओं के कारण यहां शक्ति संतुलन का सवाल बेहद संवेदनशील बन चुका है। चीन ने पिछले एक दशक में दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक अपनी नौसैनिक उपस्थिति बढ़ाई है। इसके जवाब में भारत ने समुद्री रणनीति को अपनी सुरक्षा नीति का केंद्रीय स्तंभ बना दिया है।

हम आपको बता दें कि भारतीय नौसेना का तेजी से होता आधुनिकीकरण इसी रणनीति का हिस्सा है। भारत अगले दस वर्षों में युद्धपोतों, पनडुब्बियों और समुद्री निगरानी तंत्र के विस्तार पर लगभग 40 अरब डॉलर खर्च करने की योजना पर काम कर रहा है। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के शामिल होने से भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिनके पास विमान वाहक पोत बनाने की क्षमता है। इसके साथ ही अंडमान निकोबार द्वीप समूह में सैन्य ढांचे का विस्तार हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत कर रहा है।

यह भी दिलचस्प तथ्य है कि किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में चीन अपनी कुल सैन्य शक्ति का सीमित हिस्सा ही हिंद महासागर में तैनात कर सकता है, क्योंकि उसका मुख्य सैन्य ढांचा प्रशांत क्षेत्र में केंद्रित है। इसके विपरीत भारत को भौगोलिक लाभ प्राप्त है और हिंद महासागर उसके लिए प्राकृतिक रणनीतिक क्षेत्र है। यही कारण है कि समुद्री शक्ति को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

भारत की सामरिक तैयारी केवल समुद्र तक सीमित नहीं है। हिमालयी सीमाओं पर भी बड़े पैमाने पर सैन्य ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। लद्दाख संकट के बाद भारत ने सीमा सड़कों, सुरंगों, हवाई पट्टियों और उन्नत मिसाइल प्रणालियों का तेजी से निर्माण किया है। इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य संतुलन काफी हद तक भारत के पक्ष में मजबूत हुआ है।

इसके अलावा, तकनीकी क्षेत्र में भी भारत तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है। भारतीय सशस्त्र बलों में लगभग पंद्रह लाख सक्रिय सैनिक हैं, जबकि रिजर्व और अर्धसैनिक बलों को मिलाकर कुल सैन्य शक्ति पचास लाख से अधिक है। इसके साथ ही भारत ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष आधारित सैन्य तकनीकों पर तेजी से काम कर रहा है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता भी भारत की रणनीतिक नीति का अहम हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रक्षा निर्यात को तेजी से बढ़ाया है और स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहन दिया है। इसका उद्देश्य केवल आयात पर निर्भरता कम करना नहीं बल्कि भारत को वैश्विक रक्षा उद्योग का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना है।

इसके अलावा, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टकराव में भारत की कूटनीति के प्रभाव केवल एशिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक वैश्विक निहितार्थ भी सामने आ रहे हैं। भारत आज उस स्थिति में पहुंच चुका है जहां उसकी नीति विश्व शक्ति संतुलन को प्रभावित करने लगी है। यदि भारत अमेरिका के साथ गहरे सामरिक सहयोग को आगे बढ़ाता है तो हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तार को रोकने वाला एक मजबूत संतुलन बन सकता है। दूसरी ओर यदि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए बहुध्रुवीय व्यवस्था को मजबूत करता है तो विश्व राजनीति में शक्ति का केंद्रीकरण कम होगा और कई क्षेत्रीय शक्तियों को उभरने का अवसर मिलेगा। ऊर्जा आपूर्ति मार्गों, वैश्विक व्यापार, तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत की भूमिका लगातार निर्णायक बन रही है। यही कारण है कि आज यूरोप, पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कई देश भारत को उस शक्ति के रूप में देख रहे हैं जो अमेरिका चीन प्रतिस्पर्धा के बीच वैश्विक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

बहरहाल, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत की कूटनीति संतुलन की नीति है। भारत सीधे किसी शक्ति के खिलाफ खड़ा होने की बजाय अपनी सैन्य क्षमता, आर्थिक ताकत और तकनीकी शक्ति को मजबूत करते हुए वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि यही रणनीति आगे भी जारी रही तो आने वाले दशकों में अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच भारत केवल एक संतुलनकारी शक्ति नहीं रहेगा बल्कि वह वैश्विक राजनीति का वह निर्णायक केंद्र बन सकता है जो एशिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के शक्ति समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

(उमेश चतुर्वेदी)

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्र डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखते हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। लेकिन जिनेवा में स्थित यह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां ना सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना के लिए बड़ा आधार जापान पर हुए अमेरिकी अणुबम हमले के बाद उपजी मानवीय त्रासदी रही। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही, गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है।

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखते को मजबूर रहता है।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है। लेकिन ना तो यह शीत युद्ध को रोक सका, ना ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी।

राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग।

(ललित गर्ग)

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है।

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड़ मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो।

इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा।

हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब वह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है। इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा। भारत को अक्सर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है, इसलिए यहां होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर रहती है।

महंगाई और घरेलू गैस संकट को लेकर महिला कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

■ भाजपा और मोदी सरकार की गलत नीतियों से बिगड़ा रसोई का बजट - महिला कांग्रेस

बीजापुर । जिला मुख्यालय बीजापुर में महिला कांग्रेस के नेतृत्व में बड़ी संख्या में बहनों-माताओं ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी और बेकाबू महंगाई के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी सहित तमाम कांग्रेसी और महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल होकर घरेलू गैस सिलेंडर की कमी और बढ़ती महंगाई के विरोध में भाजपा और मोदी सरकार की नीतियों को लेकर विरोध जताते हुए नारेबाजी की गई।

महिला कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार के 12 साल के शासन में उज्ज्वला योजना का ढोंग पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। गरीब महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर देने के बड़े-बड़े वादे करके वोट लिए गए, लेकिन बाजार में सिलेंडर की कालाबाजारी हो रही है और ब्लैक में 2500-3000 रुपये तक बिक रहे हैं। घरेलू गैस की आपूर्ति ठप है, डीलरों के पास सिलेंडर नहीं हैं, और आम आदमी की रसोई में चूल्हा जल नहीं पा रहा। बच्चे भूखे सो रहे हैं, महिलाएं लकड़ी के धुएं में खाना बनाने को मजबूर हैं, यह है भाजपा और मोदी सरकार की हकीकत। महिला कांग्रेस ने प्रदर्शन करते हुए आगे कहा कि यह संकट केवल बीजापुर तक सीमित नहीं है पूरे राज्य में महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। भाजपा और मोदी सरकार की नाकामी, कच्चे तेल पर निर्भरता और भ्रष्टाचार के कारण देश में बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है इसके साथ ही साथ घरेलू गैस संकट से रसोई का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गई है। फिर भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार चुप हैं मोदी सरकार का कोई जवाब नहीं, कोई राहत नहीं।

इसके साथ ही महिला कांग्रेस ने, तत्काल घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बहाल करने, सिलेंडर की कीमत 500 रुपये से कम करने, ब्लैक मार्केटिंग पर सख्त कार्रवाई करने, महंगाई पर अंकुश लगाते हुए बेरोजगारों को रोजगार देने जैसी मांगे की है। मांगे नहीं माने जाने पर आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन करने की बात भी महिला कांग्रेस ने की है। धरना प्रदर्शन में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने कहा, बीजापुर जैसे दूरदराज क्षेत्र में पहले से ही सुविधाओं की कमी है। अब भाजपा की मोदी सरकार गैस छीन रही है। अब हमारी बहनें चूल्हे पर चाय बनाकर विरोध जता रही हैं, यह शर्म की बात है कि 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देने वाली सरकार गरीबों को भूखा मारने का षड्यंत्र कर रही है। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल पर खाली सिलेंडर लेकर, लकड़ी के चूल्हे पर चाय बनाकर सड़कों पर उतरे और भाजपा हटाओ देश बचाओ, मंहगाई हटाओ गैस सिलेंडर दो जैसे नारे जमकर लगाते हुए भाजपा और मोदी सरकार का पुतला फूंककर कलेक्टर बीजापुर के नाम तहसीलदार को बीजापुर के गैस एजेंसियों में गैस सिलेंडर की सप्लाई तत्काल बहाल करने की मांग का ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गीता कमल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष संजना चौहान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पार्वती कश्यप, नगर पालिका अध्यक्ष रिंकी कोरम, जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, शेख रजिया, रत्ना सोढ़ी, अनीता टेलम, सरोजिनी कट्टम, सरस्वती सांद्रा, नीला लंबाड़ी, पार्वती गौतम, नीलो ओयाम, सरस्वती मंडल, शशि सुरटी, ममता पाण्डे, वीरेंद्र सिंह ठाकुर, पुरुषोत्तम सफूर, अरुण वासम, बबीता झाड़ी, ललिता झाड़ी, संगीता नाग, सोनमती ताती, कविता यादव, अंकिता पारेट, बलराम कोरसा, बाबू लाल राठी, जग्गी सेन, रानू डोंगरे, पार्वती लंबाड़ी, सुनीता हेमला, सपना कटरेला, नवनीत नायडू, मग्गू खत्री और संजय झाड़ी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस और महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता शामिल हुए।

सार्वजनिक नाली पर अतिक्रमण से जल निकासी बाधित रहवासियों ने कलेक्टर से की कार्रवाई की मांग

कोण्डागांव। शहर के अस्पताल वार्ड क्षेत्र में सार्वजनिक नाली पर किए गए अवैध अतिक्रमण से जल निकासी बाधित होने का मामला सामने आया है। क्षेत्र के रहवासियों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर अतिक्रमण हटाने और नाली को सुचारु रूप से चालू कराने की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी को भी भेजी गई है। आवेदन में बताया गया है कि वार्ड निवासी लक्ष्मीकांत पटेल द्वारा अपने घर के पास स्थित सार्वजनिक नाली को बंद कर दिया गया है। इससे मोहल्ले के करीब चार परिवारों के घरों का गंदा पानी बाहर नहीं निकल पा रहा है और आसपास जमा हो रहा है। इसके चलते बदबू फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। साथ ही, लोगों को दैनिक जीवन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व में इस स्थान का शासकीय सीमांकन नाप-जोख किया गया था - रहवासियों ने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति ने अपने आवंटित पट्टे से अधिक भूमि पर कब्जा कर लिया है, जिसके दायरे में सार्वजनिक नाली भी आ गई है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2021 में इस स्थान का शासकीय सीमांकन नाप-जोख किया गया था, जिसमें नाली की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाई गई थी। सीमांकन की प्रति भी आवेदन के साथ संलग्न की गई है। जानकारी के अनुसार, 27 सितंबर 2021 को राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में पंचनामा तैयार किया गया था। इसमें स्थल निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित नाली की स्थिति, सीमांकन एवं आसपास के भू-भाग का उल्लेख करते हुए पंचों की सहमति दर्ज की गई थी। पंचनामा में यह भी उल्लेख है कि संबंधित भूमि के पास नाली निर्माण का प्रस्ताव उचित पाया गया था और मौके पर उपस्थित पंचों ने किसी प्रकार के विवाद से इनकार किया था। इसके बावजूद वर्तमान में नाली अवरुद्ध होने से समस्या उत्पन्न हो गई है। रहवासियों ने कलेक्टर से मांग की है कि स्थल का निरीक्षण कर तत्काल अतिक्रमण हटाया जाए और नाली की सफाई व जल निकासी व्यवस्था को पुनः चालू कराया जाए, ताकि उन्हें इस समस्या से राहत मिल सके।

चैत्र नवरात्र एवम रामनवमीं पर नौ दुर्गा माता की झांकी के साथ किरंदुल में निकाली गई शोभा यात्रा

किरंदुल। लौह नगरी बैलाडीला में श्री रामनमीं एवं चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर हिन्दू नववर्ष रामनवमीं आयोजन समिति द्वारा काशी की नगरी बनारस से झांकी मंडली को शोभायात्रा में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। पूरी किरंदुल लौहनगरी की जनता नौ दुर्गा रूपी झांकी की भक्ति में लीन हो गई। पशुपतिनाथ मंदिर 4 नंबर कोड़ेनार से पूरे नगर का भ्रमण करते हुए 07 किलोमीटर फुटबॉल ग्राउंड तक पैदल भक्तगण एवं नौ दुर्गा रूपी मंडली मतबल जयकारे के साथ पूरा शहर शामिल हुआ। भक्ति रस में डूबा शहर भगवामय के साथ जय श्रीराम के जयकारों से नगर गूंज उठा। फुटबॉल ग्राउंड में भगवान श्रीराम की आरती व महाभण्डारे के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

राष्ट्रव्यापी उल्लास साक्षरता महापरीक्षा अभियान सफलता पूर्वक संपन्न

किरंदुल।देशभर मे साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी उल्लास साक्षरता महापरीक्षा अभियान का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया इस अभियान के तहत रविवार विकासखंड कुआकोंडा के संकुल केंद्र टिकनपाल में नवसाक्षर शिक्षार्थियों ने भाग लेकर अपनी शैक्षणिक प्रगति का प्रदर्शन किया।

इस महापरीक्षा का मुख्य उद्देश्य वयस्क शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा निरीक्षर लोगों को पढ़ने-लिखने और गणना करने की मूलभूत क्षमता से सशक्त बनाना है। परीक्षा केंद्रों पर प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला जहां उन्होंने आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह अभियान नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत संचालित किया जा रहा है जिसका लक्ष्य वर्ष 2027 तक देश को पूर्ण साक्षर बनाना है। स्थानीय स्तर पर शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों ने शिक्षार्थियों को मार्गदर्शन देकर परीक्षा के लिए तैयार किया कई स्थानों पर विशेष प्रेरणा शिविर भी आयोजित किए गए जिससे अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सके। उल्लास महापरीक्षा में एपीसी बुधराम कवासी समग्र शिक्षा, बीआरसी रतू राम राणा संकुल समन्वयक अजय कुमार साहू, शिक्षकगण एवं स्वमसेवी शिक्षक उपस्थित रहे।

श्री राघव मंदिर में की गई माता कुष्मांडा की पूजा

किरंदुल। श्री राघव मन्दिर किरंदुल में विक्रम संवत 2083 की वासंतीय नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। चतुर्थी तिथि के दिवस प्रातः 08 बजे नवदुर्गा माता के कुष्मांडा स्वरूप की पूजा की गई। माँ कुष्मांडा का रूप बेहद शांत, सौम्य, मोहक है।

इशी मिश्रा राष्ट्रीय सब-जूनियर एवं कैडेट टेबल टेनिस प्रतियोगिता में चयनित

कोण्डागांव। 87वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर एवं कैडेट टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ टीम की घोषणा कर दी गई है। प्रतियोगिता 23 से 31 मार्च 2026 तक गुजरात के गांधीधाम में आयोजित होगी, जिसमें 28 से 31 मार्च तक सब-जूनियर वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। टीम में कोण्डागांव की प्रतिभाशाली खिलाड़ी इशी मिश्रा का चयन अंडर-11 (हॉप्स) और अंडर-13 (कैडेट) दोनों वर्गों में किया गया है।

सुरक्षा बलों ने टाली बड़ी साजिश, जगरगुंडा में तीन आईईडी बरामद और नष्ट

कोंटा। बटालियन के सतर्क जवानों ने आज जगरगुंडा-नरसापुरम मार्ग पर माओवादियों द्वारा लगाए गए तीन शक्तिशाली आईईडी (द्बश्वष्ठ) का पता लगाकर और उन्हें नष्ट कर एक बड़ी घटना को टाल दिया। नियमित क्रस्न्न ड्युटी के दौरान, इंस्पेक्टर गणपत राम के नेतृत्व में चल रहे स्काउट ने जगरगुंडा कैंप से लगभग 3.7 किलोमीटर दक्षिण में एक संदिग्ध तार देखा। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए क्षेत्र की तुरंत घेराबंदी की गई। नरसापुरम की ओर से एक अन्य प्लाटून का नेतृत्व कर रहे द्वित्य कमान अधिकारी बीरेंद्र कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे और कमान संभाली। जांच के लिए डीप सर्च मेटल डिटेक्टर (ष्ठस्रूढ्ढ) जवान, बम निरोधक दस्ते (ढ्ढष्ठ्ठ) और डॉग स्क्वायड को तैनात किया गया। डॉग 'नोरा' ने संदिग्ध स्थान पर सकारात्मक संकेत दिए, जिसकी पुष्टि बीडीडी कर्मी प्रदीप साहा और डीएसएमडी जवान रूपधर शोरी ने गहन तलाशी के बाद की। तलाशी के दौरान 1 किलो, 2 किलो और 4 किलो वजन के तीन धातु के कंटेनर बरामद हुए, जो कमांड वायर से जुड़े थे। नागरिक और वाहनों की आवाजाही रोकने के बाद, सभी सुरक्षा सावधानियों के साथ सुबह 08:10 बजे इन आईईडी को मौके पर ही विस्फोट कर नष्ट कर दिया गया। यह पूरी कार्यवाही कमांडेंट महोदय एच.पी. सिंह के समग्र पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। सफल अभियान के बाद, सुरक्षा बल शाम 17:45 बजे सुरक्षित रूप से जगरगुंडा कैंप वापस लौट आए।

प्रोजेक्ट धड़कन : बच्चों के निःशुल्क हृदय जांच व उपचार की संवेदनशील पहल

नारायणपुर । जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ क्रियान्वयन की दिशा में प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों के हृदय स्वास्थ्य की जांच का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस पहल के तहत विकासखण्ड नारायणपुर एवं ओरछा के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों की नियमित स्क्रीनिंग की जा रही है, जिससे हृदय रोगों की समय रहते पहचान कर निःशुल्क बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जा सके। सीएमएचओ डॉ. कुंवर ने बताया कि आधुनिक स्टेथोस्कोप सहित अन्य उपकरणों के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा बच्चों के हृदय की ध्वनियों एवं ईसीजी संकेतों का परीक्षण किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य संभावित हृदय रोगों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर उन्हें उच्च चिकित्सा संस्थानों में उपचार उपलब्ध कराना है। फरवरी 2026 से 14 मार्च 2026 तक की अवधि में स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा जिले के कुल 80 संस्थानों में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें 18 स्कूल और 62 आंगनबाड़ी केन्द्र शामिल हैं। इस दौरान कुल 1488 बच्चों की हृदय संबंधी जांच की गई, जिनमें 675 स्कूल के बच्चे और 813 आंगनबाड़ी के बच्चे शामिल हैं। जांच के दौरान कुल 1 बच्चा हृदय रोग संभावित पाया गया, जो आंगनबाड़ी केन्द्र बागडोंगरी, विकासखण्ड नारायणपुर से संबंधित है। उक्त बच्चे का प्राथमिक परीक्षण जिला चिकित्सालय नारायणपुर में किया जा चुका है तथा बेहतर उपचार हेतु उसे उच्च चिकित्सा संस्थान सत्य साईं अस्पताल, रायपुर में रेफर किया गया है। आगामी दिनों में प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। 23 मार्च को आंगनबाड़ी केंद्र कोंगेरा एवं बडेनहोड़ में शिविर लगाया जाएगा।

24 मार्च को कोशलनार, कोशलपारा एवं हाथीबेड़ा के आंगनबाड़ी केंद्रों में शिविर आयोजित होगा। 25 मार्च को आंगनबाड़ी केंद्र घोड़ाई में शिविर आयोजित किया जाएगा। 26 मार्च को सुलेंगा एवं कन्हारगांव में शिविर आयोजित होंगे। 27 मार्च को तीरकानार एवं छोटेकुम्हारी के आंगनबाड़ी केंद्रों में शिविर लगाए जाएंगे। 28 मार्च को कोकपाड़, डूडमी एवं बांसपाल में शिविर आयोजित किए जाएंगे। 30 मार्च को आंगनबाड़ी केंद्र छोटेडोंगर में तथा 31 मार्च को बड़गांव एवं खासपारा-नयापारा के आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह अभियान न केवल बच्चों के स्वास्थ्य की समय पर निगरानी सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को भी सशक्त बना रहा है। जिला प्रशासन ने अपील किया है कि स्कूल एवं आंगनबाड़ी में स्वास्थ्य विभाग की टीम के आने पर अपने बच्चों की जांच अवश्य कराएं, ताकि समय पर उपचार सुनिश्चित हो सके।

नक्सल साए से बाहर निकला तुमड़ीवाल, लौटे परिवार ने कहा-अब सुकून है अपने बीच

डर से छूटा घर, 15 साल बाद लौटकर मिली नई जिंदगी

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ में नक्सल उन्मूलन की दिशा में चल रहे अभियान का असर अब जमीन पर नजर आने लगा है। 31 मार्च तक नक्सल समस्या खत्म करने के लक्ष्य के बीच पलायन कर चुके ग्रामीणों की घर वापसी तेज हुई है। कोण्डागांव जिले के ग्राम तुमड़ीवाल निवासी कटियाराम नाग का परिवार इसकी मिसाल है, जो 15 साल पहले नक्सल डर से गांव छोड़कर नारायणपुर चला गया था और अब लौटकर नई जिंदगी शुरू कर रहा है। कटियाराम बताते है कि गांव में नक्सलियों का इतना भय था कि सामान्य जीवन भी मुश्किल हो गया था। उनके भाई महेश नाग के एसपीओ से जुड़े होने के कारण नक्सली उन पर भी शक करते थे और उन्हें बार-बार परेशान किया जाता था। इसी डर के कारण उन्हें परिवार सहित गांव छोड़ना पड़ा। नारायणपुर में उन्होंने मजदूरी कर जीवनयापन किया। इसी दौरान उन्होंने अपनी दो बेटियों और एक बेटे की शादी भी कर दी। संघर्ष भरे जीवन के बावजूद उन्होंने परिवार को संभाले रखा, लेकिन अपने गांव लौटने की चाह हमेशा बनी रही। अब जब क्षेत्र में शांति का माहौल बना है, तो कटियाराम अपने गांव लौट आए हैं। वे अपनी तीन एकड़ जमीन पर कच्चा मकान बना रहे हैं और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनका घर भी स्वीकृत हो चुका है। कटियाराम के परिवार के लिए यह वापसी किसी नई शुरुआत से कम नहीं है। उनकी पत्नी मेड़की बाई कहती हैं, अब डर नहीं लगता, गांव में रहना अच्छा लग रहा है। वहीं बच्चे कहते हैं, पहले डर के कारण गांव छोड़ना पड़ा, अब शांति है तो अपने घर लौट आए हैं, बहुत सुकून है।

सबसे बड़ी जीत है-जब कोई अपने घर लौट सके : कलेक्टर

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने भी इस पहल को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा, गांव में अब फिर से जीवन लौटता नजर आ रहा है। खेतों में काम शुरू हो रहा है और लोग अपने घरों को संवारने में जुटे हैं। जहां कभी सन्नाटा था, वहां अब रौनक लौटने लगी है। शायद यही सबसे बड़ी जीत है-जब कोई अपने घर लौट सके।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से अब लोगों में विश्वास बढ़ा : पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने कहा, क्षेत्र में लगातार अभियान और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से अब लोगों में विश्वास बढ़ा है। इसी का परिणाम है कि जो परिवार पहले डर के कारण पलायन कर गए थे, वे अब अपने गांव लौट रहे हैं।

नक्सल मुक्त भारत की दिशा में तेज अभियान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 'नक्सल मुक्त भारत' अभियान के तहत 31 मार्च 2026 तक देश को पूरी तरह नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत छत्तीसगढ़ सहित प्रभावित राज्यों में 'शून्य सहनशीलता' नीति के साथ सुरक्षा अभियान तेज किए गए हैं और आत्मसमर्पण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। हाल के समय में सैकड़ों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिसमें बस्तर क्षेत्र प्रमुख रहा है। तय समय सीमा के बाद भी आत्मसमर्पण नहीं करने वालों के खिलाफ सुरक्षा बल निर्णायक कार्रवाई के लिए तैयार हैं। जिला प्रशासन और पुलिस के अनुसार क्षेत्र में शांति बहाली के प्रयासों का असर है कि लोग अब अपने गांव लौट रहे हैं और शासन की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं।

जिपं अध्यक्ष नंदलाल मुडामी ने जनप्रतिनिधियों के साथ इंद्रावती पार दुर्गम गांवों का किया दौरा

किरंदुल। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने जनप्रतिनिधियों के साथ गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गुमलनार के इंद्रावती नदी पार स्थित अति संवेदनशील एवं दुर्गम क्षेत्र के ग्राम गिरसा और पालोड़ी का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर जमीनी हकीकत को नजदीक से समझा और उनकी समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना।दौरे के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी को प्रमुखता से उठाया। विशेष रूप से शिक्षा व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों ने गहरी चिंता व्यक्त की।उन्होंने बताया कि क्षेत्र में स्कूल भवन नहीं होने तथा अत्यंत संवेदनशील परिस्थितियों के कारण बच्चों को इंद्रावती नदी पार कर गुमलनार स्थित स्कूल तक पहुंचना पड़ता है, जिससे कई बच्चे नियमित रूप से पढ़ाई से वंचित हो रहे हैं। वहीं पालोड़ी में नवीन आंगनबाड़ी केंद्र की स्थापना की मांग भी रखी गई।ग्रामीणों ने नदी पर पुल निर्माण नहीं होने की गंभीर समस्या को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि आज भी उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर डोंगी के सहारे नदी पार करनी पड़ती है, जिससे कई बार हादसे हो चुके हैं और जनहानि तक हुई है। इसी वर्ष एक दुखद घटना में डोंगी पलटने से एक ग्रामीण की नदी में बहकर मृत्यु हो गई। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की समस्याएं अत्यंत गंभीर हैं और इनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्कूल, आंगनबाड़ी, पुल निर्माण सहित सभी मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े मुद्दों को जिला प्रशासन एवं राज्य शासन तक मजबूती से उठाया जाएगा तथा शीघ्र समाधान के लिए ठोस एवं प्रभावी पहल की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पानी बॉटलिंग वाले फर्म में छापा, नोटिस जारी

बिलासपुर। बिलासपुर में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने अशोक नगर स्थित सीमा ब्रेवरेज पर कार्रवाई की। टीम ने गलत लेबलिंग के आरोप में पानी की 77 पेटियां जब्त कीं और फर्म को नोटिस जारी किया। इस कार्रवाई के दौरान मेलोडी आइसक्रीम का सैंपल भी जांच के लिए भेजा गया। सीमा ब्रेवरेज में पानी की बोतलों पर एक्सपायरी डेट प्रिंट नहीं थी और लेबलिंग गलत पाई गई, जिसके बाद फर्म से जवाब मांगा गया है। यह कार्रवाई नवरात्रि और गर्मी के मौसम को देखते हुए जनस्वास्थ्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सीपत स्थित गंगोत्री मिनरल वाटर प्लांट पर छापा मारकर हजारों बोतल और पाउच पानी जब्त किया था।आज की कार्रवाई अभिहित अधिकारी आर.आर. देवांगन के मार्गदर्शन में हुई। टीम में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल थे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 27 मार्च तक

बिलासपुर, /जिले के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के ऐसे विद्यार्थी जो पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है, वे 27 मार्च 2026 तक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। इसी प्रकार संस्थाओं द्वारा प्रोपोजल लॉक करने की अंतिम तिथि 29 मार्च 2026 तक एवं सेक्शन ऑर्डर लॉक करने की अंतिम तिथि 30 मार्च 2026 तक है। यह पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति जिले में संचालित सभी शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं नर्सिंग कॉलेजों, आईटीआई, पालीटेक्निक के विद्यार्थियों के लिए है। शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही [illegible] वेबसाइट पर की जा रही है। छात्रवृत्ति हेतु एससी एवं एसटी विद्यार्थियों के पालक की आय सीमा 2.50 लाख प्रतिवर्ष, ओबीसी वर्ग हेतु आय सीमा 1 लाख प्रतिवर्ष होनी आवश्यक है। साथ ही सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण पत्र, छ.ग. राज्य का मूल निवास प्रमाण पत्र एवं विद्यार्थी के अध्ययरत पाठ्यक्रम के विगत वर्ष का परीक्षा परिणाम संलग्न करना अनिवार्य होगा। निर्धारित तिथि के पश्चात शिक्षा सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाईन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जाएगा। निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते है, तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वतः जिम्मेदार होंगें। पीएफएमएस के माध्यम से आधार सीडेड बैंक खाते में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है। विद्यार्थी अपने सक्रिय एवं आधार सीडेड बैंक खाते की प्रविष्टि ऑनलाईन आवेदन करते समय सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों को एनएसपी पोर्टल से ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) प्राप्त करना आवश्यक है। नवीन संस्था के संस्था प्रमुख एवं छात्रवृत्ति प्रभारी का बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन किया जाना अनिवार्य है।

तीन दिवसीय निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर 27 मार्च से

बिलासपुर। कुमार साहब स्व. श्री दिलीप सिंह जूदेव जी शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, कोनी द्वारा 27 मार्च से तीन दिवसीय निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 27, 28 एवं 29 मार्च 2026 को प्रतिदिन सवेरे 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। प्रत्येक दिन लगभग 75 मरीजों की जांच की जाएगी जिसके लिए पूर्व पंजीयन अनिवार्य रखा गया है। पंजीयन 24 एवं 25 मार्च को सवेरे 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। मरीज अस्पताल के पंजीयन काउंटर पर उपलब्ध क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाईन पंजीयन कर सकेंगे, जिससे उन्हें जांच हेतु दिनांक आबंटित किया जा सके। सभी जांच उपरांत मरीजों की रिपोर्ट 1 अप्रैल 2026 के बाद उनके पंजीकृत वाट्सअप नंबर पर भेजी जाएगी।अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि शिविर में मरीजों के लिए लीवर स्वास्थ्य का आकलन करने हेतु सोनोग्राफी (फैटी लीवर जांच) एवं लीवर स्टिफनेस जांच हेतु फाइब्रोस्केन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में लीवर जांच के साथ-साथ शारीरिक परीक्षण, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, लीवर फंक्शन टेस्ट एवं किडनी फंक्शन टेस्ट भी किए जाएंगे। उचित जीवनशैली हेतु आहार परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। मधुमेह मरीजों के लिए सभी जांच निःशुल्क प्रदान की जाएगी। डॉ. सिंह ने मरीजों से अपील की है कि वे इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं एवं समय पर पंजीयन कराएं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए 9425581851 पर सवेरे 9 बजे से 2 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

शिक्षा विभाग में 30 लाख रूपए का भत्ता, 200 संशोधन अनुकंपा में फर्जीवाड़ा कर किया घोटाला : अंकित गौरहा

बिलासपुर। सवाल है कि इतनी बड़ी राशि का आहरण, वितरण बिना मिलीभगत के संभव नहीं है। स्थापना शाखा के जूनियर ऑडिटर के खिलाफ विस्तृत लिखित शिकायत सौंपी है, शिकायत में वित्तीय गबन, अनुकंपा नियुक्ति में फर्जीवाड़ा, युक्तियुक्तकरण में नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक प्रक्रिया को दरकिनार कर फैसले लेने जैसे कई गंभीर आरोप दर्ज किए गए हैं। बिलासपुर जिला शिक्षा विभाग पर गंभीर और बहुस्तरीय भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अंकित गौरहा ने प्रदेश के प्रमुख सचिव से मुलाकात कर प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी विजय टांडे और स्थापना शाखा के जूनियर ऑडिटर सुनील यादव के खिलाफविस्तृत लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायत में वित्तीय गबन, अनुकंपा नियुक्ति में फर्जीवाड़ा, युक्तियुक्तकरण में नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक प्रक्रिया को दरकिनार कर फैसले लेने जैसे कई गंभीर आरोप दर्ज किए गए हैं।

अंकित गौरहा

वर्दी धुलाई, भत्तों के नाम पर 30 लाख का भुगतान

अंकित गौरहा के अनुसार, कोटा विकासखंड में पदस्थ रहते हुए विजय टांडे ने सितंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच विभाग के एक कर्मचारी देवेंद्र कुमार फाल्के को कर्मचारी कोड के माध्यम से सीधे लगभग 30 लाख रुपए का भुगतान किया। यह राशि अन्य भत्ता और वर्दी धुलाई भत्ता के नाम पर दी गई। आरोप है कि हर महीने लगभग 4 से 4.5 लाख रुपए तक एक ही कर्मचारी को दिए गए, जो सामान्य वेतन ढांचे से कई गुना अधिक है। सवाल उठाया गया है कि इतनी बड़ी राशि का आहरण और वितरण बिना मिलीभगत के संभव नहीं है।

आहरण संवितरण अधिकारी की भूमिका पर सवाल

शिकायत में कहा गया है कि उस समय विजय टांडे ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी कोटा के साथ-साथ आहरण एवं संवितरण अधिकारी भी थे, इसलिए यह पूरा भुगतान उनकी जानकारी और अनुमति से हुआ। अंकित गौरहा ने मांग की है कि संबंधित कर्मचारी और अधिकारी के बीच खातों के लेन-देन की विस्तृत जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक आर्थिक लाभ और षड्यंत्र का खुलासा हो सके।

कलेक्टर के निर्देश के बावजूद कार्रवाई नहीं

मामले को कलेक्टर बिलासपुर की समय-सीमा बैठकों में उठाया गया और कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। बाद में थाना कोटा में अपराध दर्ज हुआ, लेकिन इसके बावजूद विजय टांडे पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत में इसे प्रशासनिक उदासीनता बताया गया है।

कारनामे छिपाने के लिए अधीनस्थों को निलंबित

अंकित गौरहा ने आरोप लगाया है कि अपने कार्यकाल की अनियमितताओं को छिपाने के लिए विजय टांडे ने संबंधित क्लर्क और भृत्य को निलंबित कर दिया, जबकि वास्तविक जिम्मेदारी उन्हीं की थी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि जिला शिक्षा कार्यालय के कुछ अन्य कर्मचारी भी इस पूरे प्रकरण में शामिल हैं।

मासिक व्यय पत्रक और बजट में हेरफेर

शिकायत में यह भी उल्लेख है कि जिला शिक्षा कार्यालय में जमा होने वाले मासिक व्यय पत्रक और बजट दस्तावेजों में गड़बड़ी कर गबन की राशि को छुपाया गया। हस्ताक्षरयुक्त हार्ड कॉपी जमा होने के बावजूद वास्तविक वित्तीय स्थिति अलग रखी गई।

पुराने मामलों में भी कार्रवाई नहीं, उल्टा पदोन्नति

अंकित गौरहा ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। पूर्व में सहायक ग्रेड-2 राजेश कुमार प्रताप के मामले में कार्रवाई हुई, लेकिन उसी प्रकरण में विजय टांडे पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं, दिवंगत शिक्षक पुष्कर भारद्वाज की पत्नी नीलम भारद्वाज द्वारा रिश्वत मांगने की शपथ-पत्र सहित शिकायत की गई थी, जो जांच में सही पाई गई। संबंधित बाबू को निलंबित किया गया, लेकिन विजय टांडे के खिलाफ जांच की अनुशंसा के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई और बाद में उन्हें प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी बना दिया गया।

नियुक्ति में नियमों की धज्जियां,अपात्रों को लाभ

शिकायत में अनुकंपा नियुक्ति को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि पात्र परिजनों की जगह अन्य लोगों को नियुक्ति दी गई। इस प्रक्रिया में नियमों की खुलेआम अनदेखी हुई और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया। इसमें सुनील यादव की भूमिका को भी अहम बताया गया है।

200 प्रकरणों में संशोधन समितियों को दरकिनार

युक्तियुक्तिकरण प्रक्रिया में भी भारी अनियमितता का आरोप है। जिला स्तरीय और विकासखंड स्तरीय समितियों के अनुमोदन के बिना ही करीब 200 शिक्षक प्रकरणों में संशोधन किए गए। आदेशों में न तो हस्ताक्षर हैं, न नोटशीट और न ही संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई। कई मामलों में न्यायालय के निर्देश का हवाला दिया गया, जबकि अधिकांश संशोधन गोपनीय तरीके से किए गए और बाद में शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण कराया गया।

क्या समितियां सिर्फ कागजों में.?

अंकित गौरहा ने सवाल उठाया है कि जब समितियां अस्तित्व में हैं,तो उनके बिना निर्णय कैसे लिए जा रहे हैं या फिर उन्हें पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया गया है। शिकायत में इसे एक सुनियोजित षड्यंत्र बताया गया है, जिसमें विजय टांडे और उनके करीबी सुनील यादव की केंद्रीय भूमिका है।

जांच प्रभावित होने की आशंका, निलंबन की मांग

शिकायत में यह भी कहा गया है कि विजय टांडे के खिलाफपहले से कई मामलों की जांच चल रही है, जिन्हें पद पर रहते हुए प्रभावित किया जा सकता है। इसलिए उन्हें तत्काल निलंबित कर स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग की गई है। सुनील यादव के खिलाफभी साक्ष्य सहित शिकायत सौंपी गई है।

विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण का संदेश-रेलवे स्काउट्स एवं गाइड्स ने दिखाई सक्रिय भागीदारी

बिलासपुर। दिनांक 22 मार्च 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ञ्च वीर आज़ाद समूह द्वारा विश्व जल दिवस बड़े उत्साह एवं सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला मुख्यालय के पास स्थित रेलवे कॉलोनी में जल जागरूकता रैली के साथ हुई। इस रैली के दौरान स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा 'जल है तो कल है' और ÒSave Water, Save LifeÓ जैसे नारों एवं स्लोगन के माध्यम से आसपास के निवासियों और राहगीरों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने लोगों को दैनिक जीवन में जल के सही उपयोग, अपव्यय रोकने तथा भविष्य के लिए जल बचाने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात जल ही जीवन है विषय पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि प्रतिभागियों को क्षेत्रीय भाषाओं में बोलने की स्वतंत्रता दी गई, जिससे कार्यक्रम और अधिक रोचक एवं प्रभावशाली बन गया।

इस अवसर पर सम्मानित लीडर्स ने भी जल संरक्षण के विषय में अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। इसके बाद सभी स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स एवं लीडर्स को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन वॉटर कमिटमेंट पोस्टर पर हस्ताक्षर कर सभी प्रतिभागियों द्वारा जल संरक्षण एवं जागरूकता फैलाने के सामूहिक संकल्प के साथ किया गया। यह कार्यक्रम श्री अनुराग कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं जिला आयुक्त (स्काउट) तथा श्रीमती नेहा सिंह, जिला आयुक्त (गाइड) के मार्गदर्शन में, श्री संजय मेश्राम, जिला सचिव एवं श्री दिनेश कुमार यादव, जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) की उपस्थिति में, तथा श्री दिलीप कुमार स्वाईं, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) एवं श्रीमती सुजाता सिंह, जिला संगठन आयुक्त (गाइड) के नेतृत्व में संपन्न हुई।

ईस्ट वेस्ट रेल कॉरिडोर के अंतर्गत पेंड्रा रोड स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली का सफल कमीशनिंग

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने रेल अवसंरचना सुदृढ़ीकरण एवं कनेक्टिविटी को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रणाली का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया है। यह उपलब्धि ईस्ट वेस्ट रेल कॉरिडोर के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। यह कार्य दिनांक 22 मार्च 2026 (रविवार) को सुव्यवस्थित एवं सुनियोजित नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) ब्लॉक के दौरान सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। उल्लेखनीय है कि सामान्यत: किसी भी इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान रेल परिचालन प्रभावित होता है, किन्तु इस कार्य को बेहतर प्रबंधन एवं प्लानिंग के तहत मात्र लगभग 5:30 घंटे में पूर्ण कर लिया गया, जिससे रेल परिचालन को न्यूनतम प्रभावित करते हुए सुचारु बनाए रखा गया। नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के अंतर्गत 40 प्वाइंट्स एवं 226 रूट्स का प्रावधान किया गया है, जिससे स्टेशन की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सिग्नलिंग व्यवस्था में 22 मुख्य सिग्नल, 17 कॉलिंग-ऑन सिग्नल तथा 75 डमी प्वाइंट्स शामिल किए गए हैं। आधुनिकीकरण के तहत, स्टेशन पर 06 लाइनों में 66 डीसी ट्रैक सर्किट के साथ-साथ कुल 54 एमएसडीएसी (मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर) ट्रैक सेक्शन स्थापित किए गए हैं। यह उन्नत व्यवस्था ट्रेन की सटीक पहचान सुनिश्चित करने के साथ-साथ सिग्नलिंग प्रणाली में अतिरिक्त विश्वसनीयता एवं बैकअप प्रदान करेगी। इस परियोजना में अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया है, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (सिमेन्स), डेटा लॉगर, फायर अलार्म सिस्टम, एमएसडीएसी (मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर), फ्यूज चेंजओवर एवं अलार्म सिस्टम तथा आईपीएस (इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई) जैसी उन्नत प्रणालियाँ शामिल हैं। उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली में आधुनिक रूट सेटिंग सुविधा, बेहतर पॉइंट ऑपरेशन मैकेनिज्म तथा अत्याधुनिक संरक्षा विशेषताएँ शामिल हैं, जो न केवल ट्रेनों के सुगम संचालन को सुनिश्चित करेंगी, बल्कि यातायात वहन क्षमता में भी वृद्धि करेंगी।

देश के औद्योगिक विकास को गति देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा उल्लेखनीय उपलब्धियां...............

- दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा माल राजस्व अर्जन एवं नेट टन किलोमीटर में नए कीर्तिमान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए माल ढुलाई के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ हासिल की हैं। देश के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करते हुए रेलवे ने दिनांक 21 मार्च 2026 को मात्र 355 दिनों में ही अब तक का सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू (मूल माल राजस्व) अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 (365 दिनों) की तुलना में 10 दिन पहले प्राप्त की गई है। दिनांक 22 मार्च 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ?29,493.59 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू अर्जित किया गया है, जो इसकी उत्कृष्ट कार्यक्षमता एवं माल परिवहन में अग्रणी भूमिका को दर्शाता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारतीय रेल में सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू अर्जित करने वाला ज़ोन बनकर उभरा है तथा इस वित्तीय वर्ष में भारतीय रेल के कुल माल राजस्व में इसका 17.13त्न का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही, गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 3.6त्न (?1026 करोड़) की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। इसी क्रम में, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 20 मार्च 2026 को मात्र 354 दिनों में अब तक का सर्वाधिक एनटीकेएम (नेट टन किलोमीटर) अर्जित करते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि भी पिछले वर्ष की तुलना में 11 दिन पहले प्राप्त की गई है। दिनांक 22 मार्च 2026 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 146.75 बिलियन एनटीकेएम (नेट टन किलोमीटर) का अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा प्राप्त कर भारतीय रेल में प्रथम स्थान हासिल किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने इस वर्ष 146 बिलियन से अधिक एनटीकेएम (नेट टन किलोमीटर) का ऐतिहासिक आंकड़ा पार करते हुए भारतीय रेल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। साथ ही, पिछले वर्ष की तुलना में 5.4 बिलियन नेट टन किलोमीटर (3.8त्न) की वृद्धि दर्ज की गई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अधोसंरचना विकास के कार्य भी तीव्र गति से किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत कई महत्वपूर्ण रेलखंडों में तीसरी एवं चौथी रेल लाइनों की कमीशनिंग की गई है, जिसके परिणामस्वरूप ट्रेनों की गतिशीलता एवं परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे माल यातायात को सुगम बनाने के साथ-साथ समयबद्धता में भी सुधार हुआ है। माल यातायात के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है। त्योहारों, छुट्टियों एवं विशेष अवसरों पर होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को अधिकाधिक आरक्षित बर्थ एवं सीट उपलब्ध कराने हेतु विशेष ट्रेनों का सफलतापूर्वक परिचालन किया जा रहा है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, कुशल संचालन, उन्नत प्रबंधन प्रणाली एवं माल ढुलाई में निरंतर सुधार का परिणाम है। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के कुशल निर्देशन एवं सतत प्रोत्साहन में यह उपलब्धियाँ और अधिक सुदृढ़ हुई हैं।

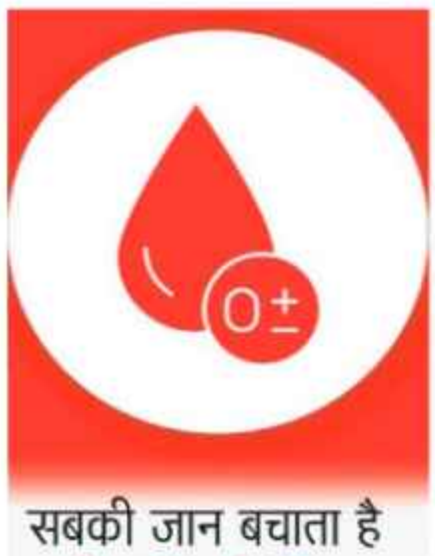

सबकी जान बचाता है
ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप

शरीर को सुचारू रूप से चलाने का काम खून करता है। इंसान के खून का रंग बेशक लाल है लेकिन इसके कई ग्रुप हैं और हर सभी लोगों के शरीर में अलग-अलग ग्रुप का खून पाया जा सकता है। वास्तव में आपका ब्लड टाइप क्या है, यह आपको विरासत में मिले जीनों द्वारा निर्धारित होता है। आपके खून का प्रकार कोई भी हो, आपके द्वारा डोनेट किये ब्लड किसी की जिंदगी बचाने का काम कर सकता है। जब बात यह होती है कि सबसे बढ़िया खून कौन सा होता है, तो ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप को सबसे बेहतर माना जाता है। इसकी वजह यह है कि इस ग्रुप के लोग किसी को अपना खून दे सकते हैं। थोड़ी गड़बड़ी यह है कि इस समूह के लोग सिर्फ इसी ग्रुप का ब्लड ले सकते हैं। ओ निगेटिव ब्लड ग्रुप के लोगों को यूनिवर्सल डोनर कहा जाता है, यह खास तरह का खून है, जो किसी की भी जिंदगी बचा सकता है इसलिए इस समूह के लोगों को इसकी हिफाजत करना जरूरी है। इसके लिए आपको खाने-पीने का ध्यान रखना चाहिए। आपको अपनी डाइट में नीचे बताए खाद्य पदार्थों को जरूरी शामिल करना चाहिए।

नट्स
नट्स प्रोटीन और हेल्दी फैट का एक बड़ा स्रोत हैं। ब्लड हेल्थ को बढ़ावा देने के लिए आपको नट्स का खूब सेवन करना चाहिए। आपको रोजाना अखरोट, हेजलनट्स और बादाम सहित कद्दू के बीज आदि का सेवन करना चाहिए।

एनिमल प्रोटीन
इस समूह के लोगों को अपनी डाइट में एनिमल प्रोटीन जरूरी शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप मांस और मछली का खूब सेवन करना चाहिए। यह चीजें आपके खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती हैं।

डेयरी उत्पाद
ओ ब्लड ग्रुप टाइप वाले लोगों को अपने खाने में मक्खन, पनीर और सोय दूध जैसे डेयरी उत्पादों को शामिल करना चाहिए। यह चीजें न सिर्फ खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं बल्कि शरीर के लिए बढ़िया काम करती हैं।

बीन्स
टाइप ओ ब्लड वाले लोगों को बीन्स का सेवन करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि बीन्स उनकी सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आपको अपनी डाइट में लाल फलियां, पिंटो बीन्स और ब्लैक बीन्स आदि को शामिल करना चाहिए।

साबुत अनाज
आपका ब्लड टाइप ओ पॉजिटिव हो या निगेटिव, आपको साबुत अनाज का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको अपने खाने में चौलाई, अनाज, बाजरा और बाजरा को जरूर शामिल करना चाहिए।

फल-सब्जियों का सेवन करें
ओ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को टमाटर, लहसुन, गोभी, भिन्डी, प्याज, अजमोद, लाल मिर्च, शकरकंद और शलजम जैसी सब्जियों का खूब सेवन करना। इनमें वो सभी पोषक तत्व होते हैं, जो खून के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। अगर बात करें फलों की तो आप प्लम, ड्राई प्लम, अंजीर, चकोतरा और सभी तरह की बेरीज खा सकते हैं।

शरीर को बंजर बना देगी आयरन की कमी

विटामिन, कैल्शियम आदि पोषक तत्व की तरह आयरन शरीर के लिए जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में भारी कमजोरी आती है और खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। आयरन बढ़ाने के लिए 6 चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

जिस जमीन में नमी, पोषण और ताकत नहीं होती, उसे बंजर कहते हैं। इसी तरह आयरन की कमी शरीर को बंजर बना देती है। यह बॉडी का खून, रेड ब्लड सेल्स और ऑक्सीजन कम कर देती है। आयरन डेफिशिएंसी को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाते रहने चाहिए। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने जानकारी दी है।

आयरन की कमी से होने वाले रोग
आयरन की कमी के कारण हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती हैं। जिस वजह से एनीमिया यानी खून की कमी का खतरा बढ़ जाता है। यह दिक्कत महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में बचपन से ही लड़कियों को आयरन की गोली खिलाई जाती है। शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए 6 उपाय हैं। इन 6 खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जो कि आयरन की गोली खाने की नौबत नहीं आने देंगे। आइए पहले आयरन कम होने के लक्षण जानते हैं।

ये लक्षण कर देंगे बुरा हाल
ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ बेवसाइट के अनुसार आयरन की कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। जिसकी वजह से निम्नलिखित लक्षण व संकेत दिख सकते हैं।

- हमेशा थकावट रहना
- सांस फूलना
- सिर घूमना
- खून की कमी
- रंग पीला पड़ना
- हाथ-पैर ठंडे होना
- जीभ में सूजन आना
- बार-बार इंफेक्शन होना
- इम्यून सिस्टम की कमजोरी
- बच्चों का विकास रुकना
- भूख ना लगना
- कमजोर नाखून, आदि

आयरन बढ़ाने के उपाय
इन 6 फूड्स को आयरन का भंडार बताया है। इन वेज फूड को डाइट में शामिल करने के बाद आयरन कम होने का खतरा काफी कम हो जाता है।

इसके लिए आप राजगिरा (चौलाई), रागी, किशमिश, दाल, सोयाबीन, करी पत्ता का सेवन बढ़ाएं।

किसमें कितना आयरन?
- 25 ग्राम राजगिरा में 2.8 मिलीग्राम आयरन
- 20 ग्राम रागी में 1.2 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम किशमिश में 0.7 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम दाल में 6.6 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम सोयाबीन में 2.4 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम करी पत्ता में 0.87 मिलीग्राम आयरन

इस वजह से भी कम हो सकता है आयरन
खून बहना, पर्याप्त पोषण ना मिलना आदि कारणों से आयरन डेफिशिएंसी होती है। लेकिन कई बार इसके पीछे आयरन का खराब अवशोषण भी होता है। मतलब आप आयरन देने वाली चीजें खा तो रहे हैं, लेकिन शरीर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है।

आयरन का इस्तेमाल बढ़ाने के तरीके
- आयरन फूड के साथ विटामिन-सी देने वाले फूड भी खाएं
- खाने के बाद कॉफी और चाय पीने से बचें
- अनाज को खाने से पहले पानी में भिगोएं, अंकुरित और फर्मेंट करें
- लोहे की कढ़ाई या पैन में खाना बनाएं
- लाइसीन अमिनो एसिड और आयरन देने वाला क्विनोआ और फलियां खाएं

यूरिक एसिड को जोड़ों में गला देंगी ये आयुर्वेदिक जड़ी बूटी

शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से आपको गाउट या किडनी की पथरी की समस्या हो सकती है, इस अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीके आजमा सकते हैं, जो असरदार हैं।

यूरिक एसिड बढ़ना एक आम समस्या बनती जा रही है. शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होने से हाइपरयुरिसीमिया या गाउट की बीमारी हो सकती है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड जोड़ों में गंभीर सूजन और दर्द पैदा कर सकता है। यह किडनी को पथरी का भी कारण बन सकता है। प्यूरीन नामक रसायन के टूटने से यूरिक एसिड निकलता है। प्यूरीन मानव शरीर में पहले से मौजूद होता है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में भी यह रसायन होता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी द्वारा फिल्टर होकर पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका लेवल ज्यादा हो जाता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और परेशानी पैदा करता है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?
यूरिक एसिड कम करने के लिए कई दवाए और मेडिकल ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ गाउट या यूरिक एसिड के लिए आयुर्वेदिक उपचार भी आजमा सकते हैं।

यूरिक एसिड का आयुर्वेदिक उपचार त्रिफला
आयुर्वेद की तीन शक्तिशाली जड़ी बूटियों भीभीतकी, हरीतकी और आंवला से मिलकर बना त्रिफला यूरिक एसिड का बढ़िया उपचार है। इसके एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफलेमेटरी गुण इसे मजबूत औषधि बनाते हैं। इसके लिए आप सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच त्रिफला पाउडर ले सकते है।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार- हल्दी
लगभग सभी आयुर्वेद दवाओं में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफलेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी गठिया का असरदार इलाज है। सूजन और दर्द को कम करने के लिए प्रभावित हिस्से में हल्दी का पेस्ट लगाया जा सकता है, फायदा मिलेगा।

यूरिक एसिड की रामबाण दवा है अदरक
गाउट या गठिया के रोगियों के लिए निर्धारित हर्बल दवाओं में अदरक मिलाया जाता है। इसमें हाई यूरिक एसिड को कम करने के ताकत होती है। यूरिक एसिड कम करने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आपको अपने खाने और चाय में अदरक का इस्तेमाल करना चाहिए।

यूरिक एसिड का घरेलू इलाज है गिलोय जड़ी बूटी
गिलोय को मूल रूप से एक ज्वरनाशक जड़ी बूटी कहा जाता है। इसे शरीर में एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को बेअसर करने के लिए जाना जाता है। यूरिक एसिड लेवल कम करने के लिए आप एक्सपर्ट की सलाह पर गिलोय जूस ले सकते हैं या इसका पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड की आयुर्वेदिक दवा है नीम
नीम को सदियों से औषधीय पौधा माना जाता रहा है। नीम में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इसे गाउट के उपचार के लिए एक बढ़िया जड़ी बूटी बनाते हैं। अगर आप यूरिक एसिड के मरीज हैं, तो दर्द और सूजन कम करने के लिए प्रभावित हिस्से पर नीम का पेस्ट लगाएं।

दिमाग की नस फटने से काफी पहले पड़ता है छोटा अटैक

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?
ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पैरालिसिस या स्ट्रोक से कैसे बचें?
- शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
- अचानक कंफ्यूजन आना
- अचानक बोलने में दिक्कत आना
- अचानक देखने में दिक्कत
- अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
- अचानक चलने में दिक्कत आना
- चक्कर आना
- अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
- निगलने में कठिनाई
- चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण
नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स
- धूम्रपान और शराब का सेवन बंद कर दें।
- ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शरीर का वजन कंट्रोल रखें।
- नियमित एक्सरसाइज करें।
- फैट का सेवन कम कर दें।
- टाइप 2 डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियों की दवा लेते रहें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट
ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं। नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, क्विनोआ, ओट्स, बादाम, चिया सीड्स, शकरकंद

मल्टीप्लेक्स : अवैध निर्माण का आरोप, नियम ताक पर, टाउन प्लानिंग बना विलेन, 9 विभागों ने दी एनओसी

- 0 28 मीटर की रोड को बताया 45 मीटर की, खुद के प्लान को झुठलाया
- शिकायतकर्ता एडवोकेट अब हाईकोर्ट जाने की तैयारी में

राजनांदगांव। शहर के मोहारा में शुरू हुए मल्टीप्लेक्स (सिनेमाघर) अब विवादों के घेरे में आ चुका है। यह तो दस्तावेजों से ही साफ हो गया है कि नियमों को ताक में रखकर काम किया गया।

इसके पूरे कागजात एडवोकेट दमयंती मंडल ने प्रस्तुत किए, जो इस मामले की शिकायतकर्ता है। साथ ही यह भी सामने आया है कि इस मल्टीप्लेक्स को लेकर 8 से 9 विभागों ने एनओसी दी है, जिसके बाद लाइसेंस जारी किया गया है। इस पूरे प्रकरण में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग सवालों के घेरे में है। क्योंकि वह अपने ही बनाए नियमों के जाल में फंस गया है और अब यह पूरा मामला हाईकोर्ट की दिशा पकड़ रहा है। इसमें अधिकारियों के भी जवाब गोलमोल ही है। इसलिए मामला पेंचिदा हो गया है। 19 मार्च को मोहारा रोड पर बने मल्टीप्लेक्स की शुरुआत हुई। हालांकि निर्माण के समय ही इसकी शिकायत हो गई थी। इसके बाद जांच की गई, कई चीजें सामने आई। लेकिन संचालक को लाइसेंस जिला प्रशासन ने जारी कर दिया। अब अधिकारियों ने बताया कि नौ विभागों ने एनओसी दी, जिसमें नगर निगम, टाउन कंट्री प्लानिंग, पीडब्ल्यूडी, पीएचई जैसे विभाग शामिल है। इनके अनापत्ति प्रमाण पत्र के बाद ही लाइसेंस दिया गया। लेकिन अब विवाद और बढ़ गया है। क्योंकि पूरे प्रकरण में यह साफ हो गया है कि नियमों को ताक में रखकर काम किया गया और मल्टीप्लेक्स शुरू हो गया। इस पूरे प्रकरण की शिकायत रायपुर की अधिवक्ता दमयंती मंडल ने जिला प्रशासन और संभागायुक्त से की थी। अब वे इस मामले को लेकर हाईकोर्ट जाने कीबात कर रही है। इसे लेकर उन्होंने प्रेसवार्ता कर दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। अब देखना होगा जिला प्रशासन इसमें क्या एक्शन लेता है।

28 मीटर की सड़क, बताया 45 मीटर की

इस मामले में टाउन कंट्री प्लानिंग सबसे पहले घेरे में आ रहा है। क्योंकि उसी के प्लान में साल 2031 तक मोहारा से लगी इस रोड की चौड़ाई 28 मीटर और अधिकतम 30 मीटर दर्ज है। जबकि एनओसी में विभागीय अफसरों ने उसे 45 मीटर बताया है। जबकि वहां घास भूमि भी अंकित है। इस पर शिकायतकर्ता ने घास भूमि पर निर्माण करने का भी आरोप लगाया और दोबारा इसकी शिकायत की है।

एनओसी के आधार पर लाइसेंस दिया

संबंधित विभागों से एनओसी मिली थी, उसके आधार पर जिला प्रशासन की ओर से लाइसेंस जारी किया गया है। शिकायत के बारे में ज्यादा नहीं बता पाउंगा।

-टीएल मारकंडेय, एडीएम

तकनीकी जानकारी टाउन कंट्री ने दी

राजस्व विभाग का इससे कोई लेना-देना नहीं है। शिकायत हुई तो जांच के बाद तकनीकी रूप से पूरे बिंदुओं को देखने के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग को दिया गया था। इसके बाद वहां से एनओसी दिया गया है।

गौतम पाटिल, एसडीएम

नन्हे बच्चों की सेहत की चिंता : आंगनवाड़ी समय सुबह करने मुख्यमंत्री से मांग

कवर्धा। भीषण गर्मी के बीच नन्हे बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ ने सराहनीय पहल की है। संघ ने छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है कि आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन समय को भी स्कूलों की तरह प्रातःकालीन किया जाए, ताकि छोटे बच्चों को तेज धूप और बढ़ते तापमान से राहत मिल सके। संघ द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में बताया गया है कि वर्तमान में स्कूल शिक्षा विभाग ने ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों का समय सुबह कर दिया है। इससे विद्यार्थियों को गर्मी से काफी राहत मिल रही है। लेकिन दूसरी ओर, आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत प्री-नर्सरी आयु वर्ग के छोटे बच्चों के लिए अभी भी पूर्ववत समय ही लागू है। तेज गर्मी के कारण इन नन्हे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। इस मांग को लेकर संघ की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया मेरावी, जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, राधाबाई, उत्तरा यादव एवं प्रियंका मानिकपुरी ने संयुक्त रूप से पहल करते हुए शासन का ध्यान इस गंभीर विषय की ओर आकर्षित किया है। संघ ने अपने निवेदन में स्पष्ट किया है कि आंगनवाड़ी केंद्रों का समय भी सुबह किए जाने से बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिलेगा, साथ ही अभिभावकों को भी सुविधा होगी। यह मांग केवल समय परिवर्तन की नहीं, बल्कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा और देखभाल से जुड़ा एक संवेदनशील प्रयास है, जिसे समाज के हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है।

निर्धारित मानक अनुसार सोयाबीन मूंगफल्ली नाकचना चीनी नही पोषण आहार मवेशियों के आगे

गरियाबंद। राज्य सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों के तमाम प्रयासों के बाद भी गर्भवती शिशुवती और आगनबाड़ी बच्चों को गुणवत्ता पूर्वक पोषण आहार देने में बीज निगम नाकाम नजर आ रहा है तभी आज ऐसे पोषण आहार गाय सहित अन्य मवेशियों के आगे दिखाई पड़ता है जो पोषण आहार बच्चों का खुराक नहीं बन पाया वह पशुओं का चारा बना हुआ हैं जिसका प्रमुख कारण मापदंड अनुसार सोयाबीन मूँगफल्ली जैसे आहार का उपयोग नहीं होने को माना जाता है जानकारी अनुसार पूरक पोषण आहार में गेहूं 40 ग्राम चना 20 चीनी 11 सोयाबीन 9 मूँगफल्ली 9 सोयाबीन तेल 6 ग्राम के साथ रागी 4 ग्राम के निर्धारित मापदंड अनुसार पुरक पोषण आहार बनाने का प्रावधान है लेकिन बिना गुणवत्ता का ख्याल रखे पोषण आहार को गर्भवती शिशुवती महिलाओं और बच्चो के सामने परोस रहे है जिसे ग्रहण करने में ज्यादातर महिला बच्चे खाने में रुचि नही दिखा रहे हैं यही कारण है की ऐसे पोषण आहार जानवरों का चारा बना हुआ है खासकर देवभोग मैनपुर और जिला मुख्यालय के दूर दराज गांव में यह आसानी के साथ देखा जा सकता है लेकिन अफसोस की बात है पूरक पोषण आहार में गुणवत्ता लाकर स्तिथि बदलने मे जिम्मेदार कोई रोल अदा नहीं कर रहे है तभी वर्षो का चलन आज भी जारी है जबकि पूरक पोषण आहार के नाम सरकार लाखों करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा देती है ताकि कुपोषित बच्चों को सही मात्रा में पोषण मिले और कुपोषण की संख्या में गिरावट हो लेकिन अफसोस कि बात है कि सरकार की मंशा पर पानी फेरने में पुरूक पोषण आहार निर्माणक कोई कसर नहीं छोड़ रहा है ऐसे में शिशुवती गर्भवती और आगनबाड़ी बच्चों को पोषण की कल्पना किस तरह किया जा सकता है।

क्वालिटी मापने वाले अधिकारियों पर सवाल -सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह कि पूरक पोषण आहार के निर्माण में कई बार सवाल खड़ा किया गया है लेकिन अभी तक कोई ठोस जांच या फिर गुणवत्ता के लिए किसी प्रकार प्रयास दे। खाने को नहीं मिलता ऐसे में क्वालिटी मापने वाले अधिकारी के कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा उठता है कियोंकी आज भी निर्धारित मानक से समझौता कर पुरूक पोषण आहार का निर्माण हो रहा है शायद यही वजह है कि बच्चों के खाने में कम और मवेशियों के चारा में अधिक उपयोग देखने में मिलता फिर न महिला बाल विकास विभाग को मतलब है और न बीज निगम को कोई वास्ता इसलिए बदस्तूर अभी भी अमानक पोषण आहार सप्लाई होने का आरोप गर्भवती शिशुवती के द्वारा बीच बीच मे लगाया जाता है।

डेढ़ साल बाद भी अटके 22 डॉक्टरों के ट्रांसफर

बिना रिलीफ नोटिस स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

कवर्धा। राज्य शासन द्वारा अगस्त 2024 में जारी स्थानांतरण आदेश के बावजूद कवर्धा सहित प्रदेश के 22 चिकित्सक अपने नए पदस्थापना स्थल पर जॉइनिंग नहीं दे पाए हैं। हैरानी की बात यह है कि इनमें से कई डॉक्टर, जिनमें कवर्धा के डॉ. केशव ध्रुव भी शामिल हैं, अब तक अपने पुराने स्थान पर ही कार्यरत हैं। मामले में सबसे बड़ा विरोधाभास यह सामने आया है कि जिन चिकित्सकों को संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा कार्यमुक्त ही नहीं किया गया, उन्हीं को अब आयुक्त सह संचालक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा कारण बताओ नोटिस थमाया जा रहा है।यानी स्थिति साफ तौर पर उल्टा चोर कोतवाल को डांटे जैसी बन गई है—जहां गलती सिस्टम की है, लेकिन कार्रवाई डॉक्टरों पर हो रही है। मिली जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित समन्वय समिति के अनुमोदन के बाद यह ट्रांसफर आदेश जारी हुआ था, लेकिन करीब डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर अमल नहीं हुआ। संचालनालय और मंत्रालय स्तर के अधिकारियों को यह भलीभांति ज्ञात है कि बिना कार्यमुक्त किए कोई भी कर्मचारी नए स्थान पर जॉइनिंग नहीं दे सकता, इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने के बजाय चिकित्सकों को ही नोटिस भेजा जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर संबंधित जिलों के सीएमएचओ को जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया गया। जब आदेश शासन स्तर से जारी हुआ, तो उसका पालन सुनिश्चित करना भी प्रशासनिक जिम्मेदारी है। लेकिन यहां जिम्मेदारी तय करने के बजाय लीपापोती और दबाव की नीति अपनाई जा रही है। अब देखना होगा कि शासन इस मामले में असली जिम्मेदारों पर कार्रवाई करता है या फिर डॉक्टरों को ही बलि का बकरा बनाया जाता रहेगा।

किराया बकाया पर निगम की सख्ती: अग्रसेन चौक की 6 दुकानें सीलबंद

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत बकाया किराया वसूली को लेकर आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अग्रसेन चौक स्थित निगम द्वारा आबंटित दुकानों में लंबे समय से किराया जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध बाजार विभाग की टीम ने सीलबंदी की कार्रवाई की। निगम अधिकारियों द्वारा पूर्व में संबंधित दुकानदारों को कई बार नोटिस जारी कर किराया जमा करने के निर्देश दिए गए थे, इसके बावजूद किराया जमा नहीं किए जाने पर आज सख्त कदम उठाते हुए दुकानों को सील कर दिया गया। इस कार्रवाई के तहत उमाशंकर चौबे, गोमती बाई, जयसिंह गुरु, दीप्ति सिंह सहित कुल 6 दुकानों को सीलबंद किया गया।

कार्रवाई के दौरान निगम के बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा, ईश्वर वर्मा,शशिकान्त यादव की टीम मौके पर उपस्थित रही और नियमानुसार पूरी प्रक्रिया अपनाई गई। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया किराया नहीं चुकाने वाले अन्य दुकानदारों के खिलाफ भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। निगम ने सभी दुकानदारों से अपील की है कि वे समय पर किराया जमा कर अनावश्यक कार्रवाई से बचें।

धरमजयगढ़ के गांवों में चार्टर विमान से दहशत, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगी सच्चाई

रायगढ़। धरमजयगढ़ ब्लॉक के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों एक रहस्यमयी चार्टर विमान की लगातार उड़ान ने लोगों के बीच डर और आशंका का माहौल बना दिया है। पिछले लगभग एक महीने से पुरुंगा, बायसी और आसपास के गांवों के ऊपर से यह चार्टर प्लेन रोजाना बेहद निचली ऊंचाई पर उड़ान भर रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई है।ग्रामीणों का कहना है कि विमान इतना नीचे उड़ता है कि उसकी आवाज और दृश्य साफ तौर पर देखा और सुना जा सकता है। कई लोगों ने इसका वीडियो अपने मोबाइल में कैद भी किया है। अचानक इस तरह की गतिविधि से गांवों में तरह-तरह की चर्चाएं और अफवाहें तेज हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कहीं यह कोई सुरक्षा से जुड़ा मामला तो नहीं, तो कोई इसे अवैध गतिविधियों की जांच से जोड़ रहा है। कुछ लोग इसे बड़े उद्योगपतियों के सर्वे से जोड़ रहे हैं, तो कुछ का मानना है कि यह वन विभाग द्वारा जंगल और जंगली हाथियों की निगरानी के लिए किया जा रहा हो सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब एक महीने पहले भी पुरुंगा क्षेत्र के ऊपर इसी तरह का विमान देखा गया था, जिससे उस समय भी लोगों में चिंता बनी थी। अब लगातार उड़ानों ने ग्रामीणों की बेचैनी और बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने प्रेस के माध्यम से प्रशासन से मांग की है कि इस अनजान चार्टर विमान की सच्चाई जल्द सामने लाई जाए। लोगों का कहना है कि यदि यह कोई सरकारी या सर्वे से जुड़ी गतिविधि है, तो इसकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए ताकि अफवाहों पर विराम लगे और लोगों का डर दूर हो सके। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द स्थिति स्पष्ट नहीं की गई, तो ग्रामीणों ने जिला स्तरीय अधिकारी को लिखित शिकायत कर अनजान चार्टर प्लेन की जांच की मांग करेंगे, फिलहाल पूरे क्षेत्र में इस रहस्यमयी उड़ान को लेकर चर्चा और चिंता का माहौल बना हुआ है।

पाटन क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग पर सख्ती की मांग, जिला पंचायत सभापति ने जताई नाराजगी

दुर्ग। पाटन विधानसभा क्षेत्र के जामगांव एम. एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में लगातार हो रही अवैध प्लाटिंग को लेकर जिला पंचायत सभापति दुर्ग नीलम राजेश चंद्राकर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। अवैध प्लाटिंग के कार्यवाही पर विशेष अभियान चलाई जा रही है। उन्होंने प्रशासन द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं किए जाने पर चिंता जताई है। सभापति ने कहा कि उन्हें लगातार आम नागरिकों और किसानों से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि प्रभावशाली लोग अवैध प्लाटिंग कर भोले-भाले किसानों की जमीन हड़पने का प्रयास कर रहे हैं। विशेष रूप से उत्तर पाटन क्षेत्र में यह गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि पाटन से मोतीपुर होते हुए सांकरा मार्ग, फुंडा चौक से मोतीपुर चौक, तथा सिरसा गेट से मोतीपुर चौक तक कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। इस दौरान सड़क किनारे लगे बोर्ड और संकेतक पोल तक उखाड़े जा रहे हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।साथ ही नहर नाली में बनाई जा रही है पुल पुलिया, किया जा रहा है अवैध कब्जा और प्लाटिंग। सभापति ने यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अब जमीन दलाल खुलेआम कार्यालय संचालित कर रहे हैं और किसानों को अपने जाल में फंसाकर आर्थिक शोषण कर रहे हैं। मोतीपुर चौक जैसे स्थानों पर ऐसे कार्यालय स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध प्लाटिंग के साथ-साथ अवैध कब्जे भी तेजी से बढ़ रहे हैं। मोतीपुर-सांकरा मार्ग पर सड़क किनारे बड़ी संख्या में प्रभावशाली लोगों द्वारा कब्जा किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि लगभग एक वर्ष पूर्व तहसीलदार पाटन द्वारा कुछ अवैध कब्जाधारियों पर कार्रवाई करते हुए निर्माण तोड़े गए थे, लेकिन उसके बाद से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे लोगों में असंतोष व्याप्त है। अंत में, जिला पंचायत सभापति ने प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेकर अवैध प्लाटिंग और कब्जों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि किसानों और आम नागरिकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

श्रद्धालुओं की भक्ति विपत्तियों में ही चलता है : शास्त्री

बेमेतरा। श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के दिव्य आयोजन में ग्राम मजगांव बेमेतरा समस्त साहु परिवार द्वारा आयोजित तृतीय दिवस की कथा में कथा व्यास पंडित झम्मन शास्त्री ने प्रहलाद चरित्र एवं ध्रुव चरित्र की कथा सुनाई साथ ही राजा बलि की कथा गाते हुए कहां की श्रद्धालुओं की भक्ति का पता विपत्तियों में ही चलता है ।विपत्तियां श्रद्धालुओं की भक्ति की परीक्षा भी है ।और अवसर भी है। भक्त प्रहलाद ने अपने पिता के द्वारा किए गए अत्याचारों को भगवान के ऊपर विश्वास रखते हुए सहन किया अंत में भगवान स्वयं प्रकट होकर अत्याचारी का अंत किया। हमें भी विपत्तियों में भगवान के परीक्षा को समझना चाहिए एवं भगवान पर विश्वास करना चाहिए राजा बलि की कथा सुनाते हुए दान की विशेष महत्व को बताएं दान करने से धन की शुद्धता होती है। आज के समय में लोग तरह-तरह के यत्न करके पैसा कमा रहे हैं। इस दौरान वह भी नहीं देख रहे हैं ।कि उसे धन का क्या प्रभाव पड़ेगा इसलिए जितना भी कमा रहे हो उसका कुछ हिस्सा जनकल्याण के कार्यों में खर्च करें। भागवत कथा अमृत तुल्य है। शास्त्री जी ने कहा कि 18 पुराणों में वेद के मंत्रों की व्याख्या भगवान वेद् व्यास ने की सत्य धाम व न्याय नीति की स्थापना के लिए श्रद्धालुओं को संघर्ष करना चाहिए भागवत कथा अमृत तुल्य है वर्तमान समाज में द्वंद, संघर्ष कलह, कटुता, द्वेष बढ़ रहा है जो जहर तुल्य है उन दस प्रवृत्तियों को रोकने के लिए सात्विक भावना से सात्विक विचार से भागवत कथा सुनने व भागवत संकीर्तन की आवश्यकता है जिससे समाज में सभी प्रकार की कुरीतियों का समन होगा और समाज व मानव को बचाया जा सकता है। महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।

जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद, अदा हुई विशेष नमाज

गले मिलकर दी मुबारकबाद, अमन-चैन व देश की तरक्की की मांगी दुआ

बेमेतरा। जिलेभर में मुस्लिम समाज का प्रमुख त्योहार ईद-उल-फितर पूरे उत्साह, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में सुबह से ही त्योहार का उल्लास देखने को मिला। नए-नए आकर्षक परिधानों में सजे छोटे-बड़े, बच्चे और बुजुर्ग जुलूस में शामिल हुए और एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। एक माह तक इबादत, संयम और आत्मशुद्धि के प्रतीक माहे रमजान के पवित्र महीने में 30 रोजे (उपवास) पूरे करने के बाद समापन पर मुस्लिम समाज ने सुबह करीब 9 बजे रेस्ट हाउस रोड स्थित ईदगाह में विशेष नमाज अदा की। नमाज के बाद सभी ने गले मिलकर एक-दूसरे को बधाई दी। इस दौरान अन्य समुदाय के लोग भी ईदगाह पहुंचे और आपसी भाईचारे का संदेश देते हुए मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व शहर की जामा मस्जिद में मुस्लिम समाज एकत्रित हुआ, जहां से जुलूस के रूप में शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मोहभट्ठा रोड स्थित ईदगाह पहुंचे। यहां पेश इमाम ने विशेष नमाज अदा कराई और देश-दुनिया में अमन, शांति तथा भारत की तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ की।

नमाज के बाद अदा किया अल्लाह का शुक्र

ईद की नमाज सादगी और श्रद्धा के साथ अदा करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने अल्लाह का शुक्र अदा किया। नमाज के पश्चात सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी और देश की सलामती, तरक्की तथा आपसी सद्भाव बनाए रखने की कामना की। इसके बाद जुलूस पुनः बाजारपारा स्थित जामा मस्जिद पहुंचा, जहां परचम कुशाई और सलातो-सलाम पेश किया गया।

शहर से गांव तक दिखा उत्सव का माहौल

जिले के सभी प्रमुख क्षेत्रों में ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के अलावा नवागढ़, साजा, बेरला, थानखम्हरिया, परपोड़ी, देवकर, नांदघाट, मारो, दाढ़ी सहित कई नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष नमाज अदा की गई। ग्रामीण अंचलों में भी लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी और अमन-शांति की दुआ की।

मीठी सेवई और व्यंजनों की महक से महका हर घर

ईद के मौके पर घर-घर में खुशियों का माहौल रहा। मुस्लिम समाज के घरों में मीठी सेवई, सिरमाल, छोले-भटूरे सहित विभिन्न लजीज व्यंजन बनाए गए। गृहणियों ने रातभर जागकर पकवान तैयार किए। रिश्तेदारों, मित्रों और अन्य समुदाय के लोगों ने भी एक-दूसरे के घर पहुंचकर सेवई और व्यंजनों का आनंद लिया। दिनभर जिलेभर में आपसी भाईचारे और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर ईद की बधाई दी और प्रेम, सद्भाव व एकता का संदेश दिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com